- 19th Year
- Issue: 200
- 22.11.2025 (SATURDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

चुनाव आयोग ने 2026 बंगाल चुनाव की कमान संभाली, ईवीएम पर अब दिखेगी उमीदवारों की तस्वीर

नयी दिल्ली २१/११ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव आयोग शुक्रवार से इलेज़्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की जाँच और मतदान पूर्वाज़्यास शुरू करने वाला है।

उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में प्रथम स्तरीय जाँच (एफएलसी) टीम के कई सदस्यों के साथ एक बैठक की, जहाँ उन्होंने चल रही एसआईआर, ईवीएम और वीवीपैट के स्टॉक की उपलज़्धता सुनिश्चित करने की तैयारियों सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। ईसीआई अधिकारियों के अनुसार, राज्य चुनाव आयोग के पास मशीनों का पूरा स्टॉक है। ईसीआई ने इलेज़्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर किस प्रकार की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी, इसके लिए नए नियम भी पेश किए हैं, जिसमें इस बार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक उज़्मीदवार की तस्वीर भी शामिल की गई है। यह पहली बार है जब मशीनों पर किसी उज़्मीदवार की तस्वीर शामिल की जाएगी। चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार, यह तस्वीर ईवीएम बटन के बगल में लगाई जाएगी और प्रशिक्षण में भी दिखाई जाएगी।चुनाव आयोग के अनुसार, 2026 के विधानसभा चुनावों में राज्य भर में लगभग 15,000 मतदान केंद्रों की वृद्धि होगी। 2021 के चुनावों में, राज्य में 80,681 मतदान केंद्र थे; 2026 में यह संज़्या बढ़कर लगभग 95,000 हो जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग के पास प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए पर्याप्त मशीनें हों, राज्य के मुज़्य चुनाव आयुक्त कार्यालय में वर्तमान में 1.30 लाख ईवीएम (मतपत्र + नियंत्रण इकाइयाँ, आरक्षित सहित) और 1.35 लाख वीवीपैट मशीनें हैं। आज बाद में, चुनाव आयोग के सदस्य यह सुनिश्चित करने के लिए ईवीएम अज़्यास करेंगे कि मशीनें ठीक से काम कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, ईवीएम में कुल 6 वोटिंग बटन होंगे और प्रत्येक बटन का परीक्षण 16 बार, यानी कुल 96 बार वोटिंग करके किया जाएगा।

अधिकारियों को कोलकाता के न्यूटाउन स्थित इको पार्क के निकट स्थित बैंक्वेट हॉल में ईवीएम निर्माण कंपनी ईसीआईएल, बेंगलुरु के इंजीनियरों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अज़्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना और जाँचना है कि ज़्या सभी बटन ठीक से काम कर रहे हैं; ज़्या बैलेट यूनिट-कंट्रोल यूनिट ठीक से काम कर रही है; ज़्या वीवीपैट पेपर और इमेज सही तरीके से निकल रहे हैं। ईवीएम अधिकारी, वेयरहाउस अधिकारी और जिला मजिस्ट्रेट (डीएम)/ जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) प्रत्येक जिले में मौजूद रहेंगे और अपने-अपने जिलों में इस प्रक्रिया का प्रशिक्षण देंगे।

घुसपैठियों पर अमित शाह का कड़ा प्रहार, चुन-चुन कर निकालेंगे, एसआईआर प्रक्रिया देश के हित में

भुज २१/११ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को देश के नागरिकों से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की चल रही राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया का पूर्ण समर्थन करने का आह्वान किया।

 उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया देश और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवश्यक है, ज़्योंकि यह सुनिश्चित करती है कि हर एक घुसपैठिए को मतदाता सूची से हटाया जाएगा। शाह ने गुजरात के भुज के हरिपुर में सीमा सुरक्षा बल के 61वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि हम इस देश में से एके के घुसपैठिए को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे, यह हमारा प्रण है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसी भी दल का नाम लिए बिना, शाह ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल तथाकथित घुसपैठियों के सफाए के अभियान को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही, उन्होंने उन्हें चेतावनी भी दी कि बिहार चुनाव ने एनडीए को जनादेश दे दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से, कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों के सफाए के अभियान को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

ये राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग की मतदाता सूची के शुद्धिकरण का विरोध कर रहे हैं। मतदाता सूची के शुद्धिकरण में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए, शाह ने कहा कि एसआईआर देश और हमारे लोकतंत्र की रक्षा करने की एक प्रक्रिया है और उन्होंने सभी से चुनाव आयोग द्वारा की जा रही इस प्रक्रिया का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज, मैं देश की जनता से अपील करना चाहता हूँ कि वे चुनाव आयोग द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया का पूरा समर्थन करें। मैं घुसपैठियों को बचाने में शामिल उन राजनीतिक दलों को चेतावनी देना चाहता हूँ कि बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश है।

दुबई के एयर शो में तेजस फाइटर प्लेन क्रैश

नयी दिल्ली २१/११ (संवाददाता):दुबई एयरशो में भारत निर्मित एचएएल तेजस लड़ाकू विमान। यह विमान अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक बड़ी भीड़ के सामने एक प्रदर्शन उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे हवा में घना काला धुआँ फैल गया और दर्शकों में दहशत फैल गई। रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय एचएएल तेजस स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 2=10 बजे भीड़ के लिए एक प्रदर्शन उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आपातकालीन दल ने शहर-राज्य के दूसरे हवाई अड्डे पर, जहाँ यह प्रमुख विमानन कार्यक्रम आयोजित हो रहा था, घटना पर प्रतिक्रिया दी। दुर्घटना के बाद पायलट की स्थिति तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाई।

एचएएल वेबसाइट पर दिए गए विवरण के अनुसार, तेजस 4.5 पीढ़ी का लड़ाकू विमान है जिसे आक्रामक हवाई सहायता, निकट युद्ध और ज़मीनी हमले के अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। बहुमुखी प्रतिभा के लिए निर्मित, इसे ज़मीनी और समुद्री अभियानों के लिए भी डिज़ाइन किया गया है, जो इसे भारत के सबसे अनुकूलनीय स्वदेशी प्लेटफार्मों में से एक बनाता है। तेजस परिवार में वायु सेना और नौसेना दोनों के लिए एकल-सीट लड़ाकू संस्करण, साथ ही प्रत्येक सेवा के लिए दो-सीट प्रशिक्षक संस्करण शामिल हैं।

एचएएल वेबसाइट के अनुसार, यह सबसे उन्नत संस्करण, एलसीए एमके1ए, है जिसमें युद्ध क्षमता और उज़रजीविता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण उन्नयन शामिल हैं। इसमें एक एईएसए रडार, रडार चेतावनी और आत्म-सुरक्षा जैमिंग के साथ एक उन्नत इलेज़्ट्रॉनिक युद्ध सूट, एक डिजिटल मैप जनरेटर, स्मार्ट मल्टीफ़ंज़्शन डिस्प्ले, एक संयुक्त पूछताछ और ट्रांसपोंडर प्रणाली, और एक आधुनिक रेडियो अल्टीमीटर, साथ ही कई अन्य परिष्कृत प्रणालियाँ हैं जो इसके परिचालन प्रदर्शन को मजबूत करती हैं।

हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा हमारी साझा ज़िमेदारी-डोभाल

नयी दिल्ली २१/११ (संवाददाता): राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने कोलंबो सुरक्षा सज़्मेलन (सीएससी) की एक बैठक में बृहस्पतिवार को कहा कि समुद्र वह इंजन है जो अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है और समुद्र के जरिए एक-दूसरे से जुड़े देशों की यह जिज़्मेदारी है कि वे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करें। सीएससी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की यहां आयोजित सातवीं बैठक में डोभाल ने कहा कि इस महत्वपूर्ण समूह की ताकत और सफलता उसकी साझा सोच, आपसी बातचीत और एक जैसे लक्ष्यों में निहित है। उन्होंने कहा, ''हम सहयोग के पांचों स्तंभों के तहत नियमित संवाद के माध्यम से अपनी क्षमताओं का निर्माण कर रहे हैं।' डोभाल ने मालदीव, मॉरीशस, श्रीलंका और बांग्लादेश समेत सदस्य देशों के अपने समकक्षों की मेज़बानी की। सेशेल्स ने एक पर्यवेक्षक देश के रूप में जबकि मलेशिया ने अतिथि के रूप में कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सीएससी का गठन सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सदस्य देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देने तथा हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने के लिए साझेदारी को मजबूत करने की खातिरकिया गया था।

कर्नाटक में सीएमपद का घमासान जारी, शिवकुमार का बड़ा बयान-140 विधायक मंत्री बनने के योग्य

बेंगलुरु २१/११ (संवाददाता): बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। हालांकि, राज्य में सीएम पद को लेकर चल रही अटकलों पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का बड़ा बयान आया है। डीके शिवकुमार ने कहा कि समूह बनाना मेरे खून में नहीं है। सभी 140 विधायक मेरे विधायक हैं। सीएम ने फैसला किया है कि वह सरकार और कैबिनेट में फेरबदल करेंगे। इसलिए, वे सभी मंत्री बनने के इच्छुक हैं। यह स्वाभाविक है कि वे दिल्ली जाकर नेताओं से मिलेंगे। इसके अलावा, मैं ज़्या कह सकता हूँ? उन्हें पूरा अधिकार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं किसी को नहीं ले गया। उनमें से कुछ लोग खड़गे साहब से मिले। उन्होंने सीएम से भी मुलाकात की। ज़्या गलत है? यह उनकी जिंदगी है। किसी ने उन्हें बुलाया नहीं है, वे स्वेच्छा से जा रहे हैं और अपना चेहरा दिखा रहे हैं। वे अपनी उपस्थिति दिखाना चाहते थे कि वे सबसे आगे हैं, काम कर सकते हैं और वे जिज़्मेदारी चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि सभी 140 विधायक मंत्री और मुज़्यमंत्री बनने के योग्य हैं। वे सब कुछ बन सकते हैं...मुज़्यमंत्री ने कहा है कि वे 5 साल पूरे करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। हम सब उनके साथ मिलकर काम करेंगे। कांग्रेस विधायक टीडी राजेगौड़ा ने कहा कि यह निर्णय हाईकमान और सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को लेना है... मैंने शिवमोगा, कुछ सड़क मुद्दों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कांग्रेस के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया ने शुक्रवार सुबह खड़गे से कांग्रेस पार्टी की छवि और राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की लगातार चर्चा से सरकार को हो रहे नुकसान के बारे में बात की। खड़गे ने सिद्धारमैया को आश्वासन दिया कि वह स्थिति का आकलन करेंगे.

नेहरू सिर्फ इतिहासकार नहीं, बल्कि भारत की धड़कन हैं-राहुल गांधी

नयी दिल्ली २१/११ (संवाददाता): कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू के लेखन के एक व्यापक डिजिटल संग्रह के उद्घाटन की सराहना की और इसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक शक्तिशाली दिशासूचक बताया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश के पहले प्रधानमंत्री के कार्य केवल ऐतिहासिक अभिलेख नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र की विकसित होती अंतरात्मा को दर्शाते हैं, जो उसके साहस, शंकाओं और आकांक्षाओं को समेटे हुए हैं।संग्रह के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि नेहरू के लेखन आधुनिक भारत को आकार देने वाली चुनौतियों और विजयों के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। राहुल गांधी ने ङ्ग पर पोस्ट किया कि

नेहरू के लेखन केवल इतिहास नहीं हैं, वे भारत की विकसित होती अंतरात्मा का अभिलेख हैं। हमारे राष्ट्र की लोकतांत्रिक यात्रा - उसके साहस, उसके संदेहों, उसके सपनों - को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए, उनके शज़्द एक शक्तिशाली दिशासूचक बने हुए हैं। मुझे खुशी है कि यह विरासत अब सभी के लिए खुली, खोज योग्य और मुज़्त है। इसका विस्तार होता रहेगा।जवाहरलाल नेहरू की चुनिंदा कृतियाँ का पूर्णत: डिजिटलीकरण कर दिया गया है। नए लॉन्च किए गए डिजिटल संग्रह में नेहरू के निबंध, पत्र, भाषण और व्यक्तिगत विचार स्वतंत्र रूप से सुलभ और खोज योग्य हैं, जिससे शोधकर्ता, छात्र और नागरिक भारत के पहले प्रधानमंत्री के विचारों को एक सुविधाजनक प्रारूप में खोज सकते हैं। इस संग्रह को निरंतर विस्तारित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और समय के साथ इसमें अतिरिक्त लेखन और दस्तावेज़ों को शामिल करने की योजना है।

राहुल गांधी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि नेहरू की बौद्धिक और राजनीतिक विरासत अब बिना किसी प्रतिबंध के जनता के लिए उपलज़्ध है।

पीएम मोदी दक्षिण अफ्रीका रवाना! जी20 में भारत का वसुधैव कुटुंबकम गूंजेगा मंत्र

नयी दिल्ली २१/११ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अफ्रीका में पहली बार आयोजित हो रहे जी20 शिखर सज़्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दक्षिण अफ्रीका रवाना हुए। जोहानिसबर्ग में प्रधानमंत्री मोदी जी20 शिखर सज़्मेलन से इतर छठे आईबीएसए (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) शिखर सज़्मेलन में भी भाग लेंगे। मोदी ने यात्रा के लिए रवाना होने से पहले एक बयान में कहा, ''मैं शिखर सज़्मेलन में भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करूंगा, जो हमारे 'वसुधैव कुटुज़्बकम' और 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के आदर्शों के अनुरूप है। यह समिट ग्लोबल साउथ द्वारा

होस्ट की गई लगातार चौथी त्र20 मीटिंग है, इससे पहले इंडोनेशिया, भारत और ब्राज़ील ने प्रेसीडेंसी की थी। साउथ अफ्रीका से पहले, त्र20 प्रेसीडेंसी ब्राज़ील (2024), भारत (2023) और इंडोनेशिया (2022) के पास थी। क्क्रूमोदी 21 से 23 नवंबर तक समिट में शामिल होंगे, जो अफ्रीकी महाद्वीप पर होने वाले पहले त्र20 समिट के तौर पर एक अहम मील का पत्थर होगा। यह क्क्रूमोदी का साउथ अफ्रीका का चौथा ऑफिशियल दौरा होगा, इससे पहले 2016 में उनका बाइलेटरल दौरा और 2018 और 2023 में दो क्क्क्ष्ष्टस समिट में उनकी मौजूदगी थी।

विदेश मंत्रालय के सेक्रेटरी (श्क्र) सुधाकर दलेला के मुताबिक, त्र20 एक ज़रूरी फोरम है, जिसमें पिछले सेशन में देशों ने आम सहमति से घोषणा करने, पायलट प्रोजेज़्ट शुरू करने और ग्लोबल साउथ पर असर डालने वाले कई विषयों पर नई पहल करने पर सहमति जताई थी।

सेक्रेटरी ने आगे कहा, हमें बहुत खुशी है कि ये चर्चाएं ब्राज़ील की प्रेसीडेंसी में और बेशक, साउथ अफ्रीका में चार वर्टिकल्स के तहत आगे बढ़ी हैं, जिन्हें साउथ अफ्रीका ने अपनी प्रेसीडेंसी के लिए बताया है।

इन एरिया में अलग-अलग ट्रैक पर पूरे साल कई उपलज़्धियां हासिल की गई हैं। इसलिए हमें बहुत खुशी है कि ग्लोबल साउथ के लिए ज़रूरी मुद्दे चर्चा के सेंटर में हैं और उन्हें हाईलाइट किया जा रहा है। त्र20 में बडी इकॉनमी शामिल हैं जो ग्लोबल त्रष्ठक्क का 85त्र और इंटरनेशनल ट्रेड का 75त्र हिस्सा हैं। फोरम ने साउथ अफ्रीका की प्रेसीडेंसी थीम सॉलिडैरिटी, इक्वालिटी, सस्टेनेबिलिटी के तहत प्रायोरिटी एरिया की पहचान की है। त्र20 के दौरान होने वाली बाइलेटरल मीटिंग्स के बारे में, सेक्रेटरी दलेला ने कहा कि वे उन्हें ऑर्गनाइज़ करने के प्रोसेस में हैं। उन्होंने आगे कहा कि इंडिया और साउथ अफ्रीका डेमोक्रेसी हैं और उनके कोऑपरेशन के तीन पिलर हैं, जिनमें से एक पॉलिटिकल कोऑपरेशन है। अफ्रीकन यूनियन, जो इंडिया की 2023 प्रेसीडेंसी के दौरान त्र20 का परमानेंट मेंबर बना, समिट के एजेंडा को शेप देने में अहम रोल निभाएगा।

विविध समाचार

भारत की सरहदों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इसरो निभा रहा अहम भूमिका, 10 सैटेलाइट कर रहे हैं काम

नयी दिल्ली २१/११ (संवाददाता): भारत और पाकिस्तान के बीच इन दिनों तनाव की स्थिति बनी हुई है। हालांकि दोनों देशों के बीच तनाव थोड़ा कम हुआ है मगर ये पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। भारत की सरहदों की सुरक्षा करने के लिए सेना के जवान लगातार सरहद पर पहरा दे रहे है। इसी बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष वी नारायणन ने भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है।

उन्होंने बताया कि देश के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के रणनीतिक उद्देश्य से कम से कम 10 सैटेलाइट लगातार चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। इज़्फाल में कल केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (सीएयू) के 5वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए इसरो प्रमुख ने पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संगठन के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

इसरो अध्यक्ष ने कहा, देश के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के रणनीतिक उद्देश्य से कम से कम 10 उपग्रह लगातार चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। वी नारायणन ने कहा, आप सभी हमारे पड़ोसियों के बारे में जानते हैं। अगर हमें अपने देश की सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो हमें अपने उपग्रहों के माध्यम से सेवा करनी होगी। हमें अपने 7,000 किलोमीटर के समुद्री तट क्षेत्रों की निगरानी करनी होगी। हमें पूरे उज़्री भाग पर लगातार नज़्र रखनी होगी। उपग्रह और ड्रोन तकनीक के बिना, हम यह हासिल नहीं कर सकते।

सेना ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उज़्री और पश्चिमी अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) के इलाकों में रात के समय मची अराजकता और झड़पों के बाद, 11 और 12 मई की मध्य रात्रि में क्षेत्र में काफी हद तक शांति बनी रही। सेना के अनुसार, जज़्मू एवं कश्मीर तथा अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगे अन्य क्षेत्र शांत हैं तथा युद्ध विराम समझौते के उल्लंघन की कोई घटना सामने नहीं आई है।

सेना ने कहा कि भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने के जवाब में पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से की गई गोलीबारी, भारी गोलाबारी और ड्रोन हमलों के बाद हाल के दिनों में यह पहली शांत रात थी। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमलों के प्रतिशोध में शुरू किया गया था, जिसमें पाकिस्तान और

पाकिस्तान के कज़्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रमुख आतंकवादी स्थलों को नष्ट कर दिया गया था।

पिछले कुछ दिनों से जज़्मू-कश्मीर, राजस्थान, पंजाब और गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान की ओर से भारी गोलाबारी और ड्रोन हमलों की कोशिशें देखी गईं, जिनका उद्देश्य क्षेत्र में शांति को बाधित करना था। हालांकि, पाकिस्तान की ओर से किए गए हमलों को भारतीय वायु रक्षा प्रणाली द्वारा काफी हद तक बेअसर कर दिया गया। जवाबी कार्रवाई में, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के अंदर 11 हवाई ठिकानों को नष्ट करने की पुष्टि की और उनकी सैन्य क्षमताओं को काफी नुकसान पहुंचाया।

रविवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में लेज़्टिनेंट जनरल राजीव घई (सैन्य संचालन महानिदेशक), वाइस एडमिरल ए एन प्रमोद (नौसेना संचालन महानिदेशक) और एयर मार्शल ए के भारती (वायु संचालन महानिदेशक) ने संयुक्त रूप से भारत के ऑपरेशन सिंदूर के प्रमुख परिणामों का खुलासा किया। लेज़्टिनेंट जनरल राजीव घई ने अपने समकक्ष के साथ हुई बातचीत के बारे में जानकारी दी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पड़ोसी देशों की ओर से सीमा पार से गोलीबारी और हवाई घुसपैठ बंद हो गई। उन्होंने कहा कि शत्रुता समाप्त होने के कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तानी सेना ने इन सहमतियों का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान के डीजीएमओ ही थे जिन्होंने शत्रुता समाप्त करने का प्रस्ताव दिया था।

घई ने रविवार को एक संवाददाता सज़्मेलन में संवाददाताओं से कहा, मेरा पाकिस्तान के डीजीएमओ के साथ संवाद कल 15ञ्35 बजे हुआ और इसके परिणामस्वरूप 10 मई को 17ञ्00 बजे से दोनों पक्षों की ओर से सीमा पार से गोलीबारी और हवाई घुसपैठ बंद हो गई, जब उन्होंने प्रस्ताव दिया कि हम शत्रुता समाप्त कर दें।

हमने 12 मई को 12ञ्00 बजे आगे की बातचीत करने का भी निर्णय लिया है, ताकि इस समझ को दीर्घावधि तक बनाए रखने के तौर-तरीकों पर चर्चा की जा सके। उन्होंने कहा कि दोनों डीजीएमओ के बीच हुए समझौते के उल्लंघन का भारत ने कड़ा जवाब दिया। घई ने कहा, हालांकि, निराशाजनक रूप से, जैसा कि अपेक्षित था, पाकिस्तानी सेना को सीमा पार और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर गोलीबारी करके इन व्यवस्थाओं का उल्लंघन करने में केवल कुछ घंटे लगे, इसके बाद कल रात और आज तड़के ड्रोन घुसपैठ की गई। इन उल्लंघनों का कड़ा जवाब दिया गया।

भारतीय सशस्त्र बलों ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कज़्जे वाले जज़्मू-कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले का जवाब था।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय वीरों को हाथ जोड़कर नमन, ये हैं तभी हम है... जय हिंद, जय भारत

नयी दिल्ली २१/११ (संवाददाता):भले ही भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया हो लेकिन अभी भी भारतीय सेना पूरी तौर से चौकन्नी हैं, ज़्योंकि पाकिस्तान दोगला है। वह अपनी हरकत से बाज नहीं आता है। पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी के साथ कहा गया है कि अगर फिर से कोई नापाक हरकत की गयी तो सीधा युद्ध होगा। पहलगाम में हुए हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी अपने सोशल मीडिया से दी थी। भारतीय वीर कैसे बॉर्डर पर पाकिस्तान की कोशिशों को ध्वस्त कर रहे थे अपने जान की परवाह किए बिना, यह भारत की सेना और सुरक्षा बल की ताकल को दर्शाता है। इस दौरान कुछ भारतीय सेना के और भारतीय सुरक्षा बल के सैनिकों ने देश की रक्षा के लिए अपनी जान को न्योछावर कर दिया। आइए उन्हें याद करते हैं- जज़्मू कश्मीर में आरएस पुरा सेज़्टर में पाकिस्तान की ओर से की गई भारी गोलीबारी के दौरान शहीद हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उपनिरीक्षक मोहज़्मद इज़्तियाज का पार्थिव शरीर सोमवार को पटना लाया गया। इस दौरान शहीद के बेटे इमरान रजा हवाई अड्डे पर चुपचाप खड़े रहे। उपनिरीक्षक मोहज़्मद इज़्तियाज जज़्मू कश्मीर के आरएस पुरा सेज़्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात थे। इमरान रजा ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''मुझे अपने पिता पर गर्व है और मैं उन सभी को सलाम करता हूं, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पिता बहुत मजबूत व्यक्ति थे। मैंने उनसे आखिरी बार 10 मई (शनिवार) को सुबह साढ़े पांच बजे बात की थी। उनके दाहिने पैर में चोट लगी थी। घायल होने के बाद उपनिरीक्षक इज़्तियाज उसी शाम शहीद हो गए थे। सुरक्षाकर्मियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर एवं हवाई अड्डे पर पुष्पांजलि अर्पित किए जाने के बाद इज़्तियाज के पार्थिव शरीर को सारण जिले के नारायणपुर गांव स्थित उनके घर ले जाया गया। पूरे राजकीय सज़्मान के साथ आज ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इज़्तियाज का पार्थिव शरीर लेने के लिए बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, कई मंत्री और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हवाई अड्डे पर मौजूद रहे। इमरान ने भारत में आतंकी हमलों के लिए पाकिस्तान को उचित सबक सिखाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान को उचित सबक सिखाना चाहिए। हमारी सरकार को ऐसा करारा जवाब देना चाहिए कि किसी बेटे को कभी अपने पिता को न खोना पड़े।'' हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए यादव ने कहा, ''जज़्मू कश्मीर के आरएस पुरा सेज़्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देते हुए इज़्तियाज शहीद हो गए। उनके जैसे बहादुर लोगों की वजह से ही आज हम सुरक्षित हैं। देश उनके बलिदान को हमेशा याद रखेगा।'' राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, ''मोहज़्मद इज़्तियाज का बलिदान व्यर्थ नहीं गया... हमारे बहादुर सैनिकों ने उनके बलिदान का बदला ले लिया है।

पाकिस्तानी हमले में शहीद हुए झुंझुनूं जिले के जवान सुरेंद्र कुमार का रविवार को उनके पैतृक गांव में सैन्य सज़्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। बड़ी संज़्या में लोगों ने नम आंखों से शहीद को अंतिम विदाई दी। पाकिस्तान की ओर से हुए हमले में भारतीय वायुसेना के असिस्टेंट मेडिकल सार्जेंट सुरेंद्र कुमार शनिवार को उधमपुर हवाई अड्डे पर शहीद हो गए थे। शहीद जवान का पार्थिव शरीर दिल्ली से सड़क मार्ग से उनके पैतृक गांव मंडावा पहुंचा। इसके बाद तिरंगा यात्रा शुरू हुई और जवान का पार्थिव शरीर मेहरादासी गांव में उनके घर पहुंचा। गांव में उनका सैन्य सज़्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। सुरेंद्र कुमार के आठ साल के बेटे दक्ष ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। शहीद जवान की अंतिम यात्रा में हजारों की संज़्या में लोग मौजूद थे। जिन्होंने भारत माता की जय और सुरेंद्र कुमार अमर रहे के नारे लगाए। इस मौके पर सरकार की ओर से उपमुज़्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अविनाश गहलोत व झाबर सिंह खर्रा, सांसद मदन राठौड़ सहित बड़ी संज़्या में जन प्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद थे।

पाकिस्तानी गोलाबारी में शहीद हुए जज़्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) के एक अधिकारी का रविवार को पूरे राजकीय सज़्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उपमुज़्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और जज़्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इस अवसर पर बड़ी संज़्या में लोग पहुंचे थे। शनिवार सुबह राजौरी में थापा के आवासीय परिसर में मोर्टार गोले गिरने से उनकी मौत हो गयी थी। उनके पार्थिव शरीर को पुलिस वाहन में जज़्मू के बाहरी इलाके में स्थित उनके रूप नगर स्थित निवास पर लाया गया और बाद में उनका अंतिम संस्कार पास के श्मशान घाट में किया गया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी शोक संतप्त परिवार से मिलने पहुंचे और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम करने वाले इन सज़्मानित लोकसेवक को श्रद्धांजलि दी। सिन्हा ने कहा, ''डॉ. थापा का जज़्मू-कश्मीर के विकास में विपुल योगदान है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और असंज़्य प्रशंसकों के साथ हैं। मैं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।''

आंध्र प्रदेश सरकार ने जज़्मू-कश्मीर के पुंछ में सीमा पार से गोलाबारी के दौरान शहीद हुए सैनिक एम. मुरली नाइक के परिवार को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की रविवार को घोषणा की। शनिवार रात को मुरली नाइक का पार्थिव शरीर श्री सत्यसाई जिले स्थित उनके घर लाया गया, जिसके बाद रविवार को उपमुज़्यमंत्री पवन कल्याण उनके घर पहुंचे और शहीद सैनिक को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपनी ओर से 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की और परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की। कल्याण ने संवाददाताओं से कहा, 卐मुज़्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मुरली नाइक के परिवार को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि, पांच एकड़ कृषि भूमि, आवास के लिए 300 वर्ग गज जमीन देने की घोषणा की है। कैबिनेट की चर्चा के बाद नाइक के परिवार को एक सरकारी नौकरी भी दी जाएगी।卐 सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री नारा लोकेश और अन्य मंत्रियों ने नाइक के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके शोकाकुल माता-पिता को ढांढस बंधाया। लोकेश ने कहा, राज्य नाइक की बहादुरी के सज़्मान में नतमस्तक है। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा को कभी भुलाया नहीं जाएगा। आंध्र प्रदेश सरकार ने घोषणा की कि नाइक का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सज़्मान के साथ किया जाएगा।

गोलीबारी में गंभीर रूप से जज़्मी होने के बाद शहीद हुए एक युवा सैनिक सुनील कुमार को यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास उसके गांव में सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में अश्रुपूर्ण अंतिम विदाई दी गई। '4-जेएकेएलआई (जज़्मू-कश्मीर लाइट इंफेंट्री रेजिमेंट)' में तैनात राइफलमैन सुनील कुमार (25) शनिवार तड़के आरएस पुरा सेज़्टर में सीमा पार से हुई गोलाबारी में गंभीर रूप से घायल हो गए थे और बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। सुनील कुमार एक सैनिक परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके दो बड़े भाई सशस्त्र बलों में सेवारत हैं जबकि पिता पूर्व सैनिक हैं। सुनील कुमार के रिश्तेदारों ने कहा कि वह बचपन से ही सेना में शामिल होने और देश की सेवा करने के सपने देखता था। अरनिया सेज़्टर में सुनील कुमार के त्रिवा गांव के अधिकतर निवासियों को आठ मई को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया था। दरअसल एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने जज़्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम गांवों को अंधाधुंध तरीके से निशाना बनाना शुरू कर दिया था ज़्योंकि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइलें दागी थीं।

हालांकि, जब तिरंगे में लिपटे ताबूत में वीर जवान सुनील कुमार का पार्थिव शरीर एक सुसज्जित सैन्य वाहन में रखकर उनके गांव लाया गया, तो सैकड़ों शोक संतप्त लोगउन्हें अश्रुपूर्ण अंतिम विदाई देने के लिए एकत्र हो गए। सुनील कुमार के बलिदान और राष्ट्र की प्रशंसा में नारे लगाये जा रहे थे।

कच्छ में ड्रोन देखे गए, फिर से ज़्लैकआउट किया गया-गृह राज्य मंत्री सांघवी

नयी दिल्ली २१/११ (संवाददाता):गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ में कई ड्रोन देखे जाने के बाद शनिवार देर शाम जिले में पूर्ण 'ज़्लैकआउट' लागू कर दिया गया। यह घटनाक्रम भारत और पाकिस्तान के बीच सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को तत्काल रोके जाने को लेकर हुए समझौते के कुछ घंटे बाद हुआ।

गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने 'एज़्स' पर घोषणा की, ''कच्छ जिले में कई ड्रोन देखे गए हैं।

अब पूर्ण ज़्लैकआउट लागू किया जाएगा। कृपया सुरक्षित रहें, घबराएं नहीं।'' कच्छ और पाटन जिले के कुछ हिस्सों में आधिकारिक तौर पर 'ज़्लैकआउट' की घोषणा कर दी गई, जबकि पाकिस्तान द्वारा द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन किए जाने की खबरों के बाद लोगों ने देवभूमि द्वारका (पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित जिले) के कुछ हिस्सों में 'ज़्लैकआउट' का पालन करने का निर्णय लिया।कच्छ के जिलाधिकारी आनंद पटेल ने कहा, ''संपूर्ण कच्छ जिले में तत्काल प्रभाव से ज़्लैकआउट घोषित कर दिया गया है तथा सभी नागरिकों से इसका सज़्ती से पालन करने को कहा गया है। पाटन जिले के जिलाधिकारी तुषार भट्ट ने बताया कि जिला प्रशासन ने संतालपुर तालुका के गांवों में भी ज़्लैकआउट लागू कर दिया है।

उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि जामनगर में भी 'ज़्लैकआउट' लागू कर दिया गया है।

कश्मीर मुद्दे पर डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता की पेशकश पर विवाद, कपिल सिज़्बल ने उठाए सवाल

नयी दिल्ली २१/११ (संवाददाता): अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के साथ मध्यस्थता की पेशकश कर विवाद खड़ा कर दिया है। राज्यसभा सांसद कपिल सिज़्बल ने ट्रंप के हालिया बयान की आलोचना की और मोदी सरकार पर भी निशाना साधा। सिज़्बल ने कहा कि ट्रंप के बयान से कई सवाल उठेंगे और विपक्ष को इस मुद्दे पर गलत जानकारी दी गई।

कपिल सिज़्बल ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, %इस ट्वीट पर भी कई सवाल उठेंगे... तो ज़्या हुआ (भारत-पाकिस्तान समझौते के बारे में), कैसे और ज़्यों, इस बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई है... इसलिए हम आज कोई आलोचना नहीं करेंगे। हम केवल एक विशेष संसद सत्र और एक सर्वदलीय बैठक बुलाना चाहते हैं।%

उन्होंने आगे कहा, मैं सभी राजनीतिक दलों से अपील करना चाहता हूं कि जब तक सरकार उन्हें आश्वासन नहीं देती कि प्रधानमंत्री भी बैठक में मौजूद रहेंगे, तब तक वे बैठक में शामिल न हों... मुझे पूरा भरोसा है कि अगर डॉ. मनमोहन सिंह आज प्रधानमंत्री होते, तो वे सर्वदलीय बैठक में मौजूद होते और एक विशेष सत्र भी बुलाया जाता।इससे पहले, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने रविवार को कहा कि यह मुद्दा बाइबिल में वर्णित 100 साल पुराना संघर्ष नहीं है, बल्कि यह केवल 78 साल पहले शुरू हुआ था। उन्होंने एज़्स पर एक पोस्ट में कहा, %अमेरिकी प्रतिष्ठान में किसी को अपने राष्ट्रपति ञ्चक्क्ष्ठ्ञ्र ञ्चह्द्द्गड्डद्यष्ठश्च्ठ्ठड्डद्यस्त्रञ्जह्ल्द्धश्च को गंभीरता से शिक्षित करने की आवश्यकता है कि कश्मीर बाइबिल में वर्णित 1000 साल पुराना संघर्ष नहीं है। यह 22 अज़्टूबर, 1947-78 साल पहले शुरू हुआ था, जब पाकिस्तान ने जज़्मू और कश्मीर के स्वतंत्र राज्य पर आक्रमण किया था, जिसे बाद में 26 अज़्टूबर, 1947 को महाराजा हरि सिंह द्वारा %पूर्ण% रूप से भारत को सौंप दिया गया था, जिसमें अब तक पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कज़्जाए गए क्षेत्र शामिल हैं। इस सरल तथ्य को समझना कितना मुश्किल है?

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

नीम लेपित यूरिया एक गुणवत्ता वर्द्धित उत्पाद एवं सही फसल पोषण

किरण यादव व एम. के. यादव शस्य विज्ञान विभाग, राजस्थान कृषि महाविद्यालय उदयपुर राजस्थान

यूरिया

आज 80% से भी अधिक नाइट्रोजन फसलों को यूरिया के माध्यम से ही प्राप्त होती है इसलिए यूरिया उत्पाद की जानकारी रखना अतिआवश्यक है यूरिया (NH2-CO-NH2) एक सिंथेटिक आर्गेनिक कार्बन मिश्रण है जिसमें 46.6 % नाइट्रोजन होती है नाइट्रोजन के अतिरिक्त इसमें 20 % कार्बन, 26.7 % ऑक्सीजन तथा 6.7% हाइड्रोजन होती है मिट्टी में सभी नाइट्रोजनजनित उर्वरकों से नाइट्रोजन की बड़ी हानि का कारण नाइट्रीफाइंग बैक्टीरिया है जो अमोनिकल नाइट्रोजन को नाइट्रेट नाइट्रोजन में रूपान्तरित करता है।

नीम

नीम का पेड़ (Azadirachta indica) प्राचीन समय से ही किसानों का सच्चा मित्र रहा है जो कि पूरे भारत में पाया जाता है और 4000 वर्ष अर्थात वैदिक युग से ही इसके वाणिज्यिक उपयोग की जानकारी मिलती है नीम अपनी कड़वाहट के लिए जाना जाता है और इसके प्रत्येक भाग में तीक्ष्ण स्वाद होता है इसके बीज, पत्तेए छालए जड़ों से बनने वाले इसके उत्पाद बैक्टीरियानाशक, फफूंदीनाशक, कीटनाशक परजीवी रोधी दवाओं के रूप में इसके रासायनिक उपयोग के लिए प्रसिद्ध है

नीम लेपित यूरिया

नीम लेपित यूरिया का निर्माण आसानी से उपलब्ध दो उत्तम चीजों का इस्तेमाल करके किया जाता है प्रथम वायु तथा प्राकृतिक गैस से तकनीक द्वारा तथा दूसरा दैविक रूप से उपलब्ध नीम के पेड़ से यूरिया का निर्माण किया जाता है नीम में नाइट्रीकरण निरोध गुण प्रमाणित है और इसके उपयोग से यूरिया से नाइट्रोजन छोड़ने की गति धीमी होती है तथा इस प्रकार नाइट्रोजन लम्बे समय तक उपलब्ध रहता है जिससे नाइट्रोजन की कम से कम हानि होती है जिसके फलस्वरूप इसके दक्ष उपयोग में वृद्धि होती है संयंत्रों में निर्माण प्रक्रिया के दौरान प्रिल्ड यूरिया पर समान रूप से नीम तेल का लेप करके नीम लेपित यूरिया तैयार किया जाता है।

नीम लेपित यूरिया में गुणवत्ता वर्धन

यूरिया जो कि आज विश्व में नाइट्रोजन का प्रमुख स्त्रोत हैए पर नीम तेल को लेपित करके और उन्नत किया जाता है ताकि इसे एक सम्पूर्ण नाइट्रोजनित उर्वरक बनाया जा सके इसमें निम्नलिखित गुणवत्ता वर्धन किये गये हैः

1. आर्द्रताग्राहता को कम करना : प्रिल्ड यूरिया की तुलना में नीम लेपित यूरिया कम आर्द्रताग्राही है अतः बोरों में इसके ढेले बनने के अवसर कम होते है

2. घुलनशीलता में कमी : नीम लेपित यूरिया प्रिल्ड यूरिया की तुलना में थोड़ा कम घुलनशील है अतः खेत में अधिक नमी अथवा वर्षा के दौरान इसके जमीन में चले जाने की संभावना (लीचिंग लोसद्ध) कम होती है

3. वाष्पशीलता में कमी : प्रिल्ड यूरिया पर नीम के तेल को लेपित करने के कारण सीधे धूप पड़ने से होने वाली वाष्पशीलता की हानि कम हो जाती है

4. नाइट्रेट लीचिंग में कमी : मिट्टी में विद्यमान नाइट्रीकृत बैक्टीरिया अमोनिकल नाइट्रोजन को नाइट्रेट नाइट्रोजन में बदल देता है जो की पानी में अत्यधिक घुलनशील है और वह मिट्टी की गहराई में चला जाता है जो फसल की जड़ों की पहुँच से दूर हो जाता है नीम लेपित यूरिया इस बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है और नाइट्रेट बनने पर नियंत्रण रहता हैए इस प्रकार नाइट्रेट की कोई हानि नहीं होती।

5. विनाइट्रीकरण में कमी : पानी के निकास की कम व्यवस्था और वायु संचार परिस्थिति विशेषकर धान की फसल में नाइट्रेट नाइट्रोजनए नाइट्रोजन गैस बन जाता है और वायुमंडल में चला जाता है जब नीम लेपित यूरिया का उपयोग किया जाता है तो नाइट्रेट या तो बनता ही नहीं या बहुत कम बनता है इस प्रकार विनाइट्रीकरण हानि की संभावना बहुत कम होती है।

6. पाउडर की मात्रा में कमी : प्रिल्ड यूरिया के उत्पादनए परिवहन और हैंडलिंग के समय इसका पाउडर बनता है एफसीओ के तहत 20 प्रतिशत तक पाउडर बनने की अनुमति है परन्तु पाउडर का वजन हल्का होने के कारण खेत में इसका छिड़काव करते समय यह सामान्यतः हवा से उड़ जाता है इस प्रकार यूरिया की बर्बादी होती है अथवा इसकी नत्रजन उपयोग क्षमता घट जाती है नीम तेल का लेप होने से नीम लेपित यूरिया के दानों में घर्षण कम होता है और कम पाउडर बनता है जिससे नाइट्रोजन उपयोग क्षमता बढ़ जाती है

नीम लेपित यूरिया की कार्य विधि

नीम लेपित यूरिया के उत्पादन की क्रिया के दौरान प्रिल्ड यूरिया पर नीम तेल का लेप किया जाता है ताकि इससे नाइट्रीकृत बैक्टीरिया नष्ट किया जा सके जो की मिट्टी में अमोनिकल नाइट्रोजन को नाइट्रेट नाइट्रोजन में बदलने का काम करता है इस प्रकार यूरिया में नाइट्रेट या तो नगण्य मात्रा में रहती है या बिल्कुल नहीं रहती और अमोनिकल नाइट्रोजन मिट्टी कोलाइड्स में मिल जाती है और वहां से पौधे आसानी से ले लेते है

अलेपित प्रिल्ड यूरिया का प्रयोग करने से बड़ी मात्रा में नाइट्रेट नाइट्रोजन बनता है और मिट्टी में विशेषकर धान के खेत में गहराई में चला जाता है तथा जहां मिट्टी में नमी और उसे वायु में मिलने से रोक पाना कठिन हो जाता है इस प्रकार नीम लेपित यूरिया बड़ी मात्रा में नाइट्रोजन की हानि से बचाता है और लम्बे समय तक नाइट्रोजन उपलब्ध कराता है परिणामस्वरूप नाइट्रोजन उपयोग क्षमता और फसल उत्पादन में वृद्धि होती है

पैरामीटर (भार द्वारा)	प्रिल्ड यूरिया	नीम लेपित यूरिया
1. नमी (%) अधिकतम	1.0	1.0
2. कुल नाइट्रोजन % (न्यूनतम)	46.0	40.0
3. ब्यूरेट (%) अधिकतम	1.5	1.5
4. दानों का आकार <2.8 एमएम >1 एमएम	90% 80%	90% 80%
5. बैंजेन सोल्यु बल कंटैंट्स (%) न्यूनतम	-	0.035

नीम लेपित यूरिया के लाभ

नाइट्रोजन उपयोग क्षमता में सुधार लेन की दृष्टि से नीम लेपित यूरिया का निर्माण किया जाता है और परिणामस्वरूप फसल उत्पादन विशेषकर धान की फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है जिसमे नत्रजन उपयोग क्षमता 30 प्रतिशत और गेहूं में नत्रजन उपयोग क्षमता लगभग 50 प्रतिशत तक होती है नीम तेल का लेप यूरिया के ढेले बनने से रोकता है और परिवहन तथा हैंडलिंग के दौरान यूरिया के पाउडर बनने के अवसर कम होते है नीम लेपित यूरिया का उपयोग खेत में हानिकारक कीटों और जंगली जानवरों को अपनी गंध से दूर रखता है नत्रजन उपयोग क्षमता बढ़ने का स्तर इस बात पर निर्भर करता है की नीम लेपित यूरिया के साथ निम्नलिखित कृषि पद्धतियों का कितनी दक्षता से पालन किया जाता है

- फसल की जरूरत के अनुसार नीम लेपित यूरिया का दो अथवा उससे अधिक छिड़काव
- मिट्टी में नमी उचित मात्रा में हो तभी छिड़काव किया जाए अधिक नमी वाली फसलों जैसे धान में शाम के समय नीम लेपित यूरिया का छिड़काव करने से पहले खड़े पानी को निकाल दिया जाए और प्रातः के समय खेत में पानी के न्यूनतम स्तर तक पुनः सिंचाई की जाए
- कम नमी वाली फसलों जैसे गेहूं में हल्की मिट्टी के मामले में हल्की सिंचाई के बाद यूरिया का छिड़काव किया जाए जबकि भारी मिट्टी में हल्की सिंचाई से पहले भी इसका छिड़काव किया जा सकता है
- शाम के समय जब हवा मिट्टी का तापमान कम हो तब यूरिया का छिड़काव किया जाए इससे यूरिया से अमोनिया के वाष्पशीलता के अवसर कम हो जाते है
- ड्रिप सिंचाई के माध्यम से यूरिया डाला जाए क्योंकि इससे जड़ों को यूरिया सीधे ही मिलेगा और हानि के अवसर कम होंगे
- नाइट्रोजन की कमी दिखाई पड़ने पर अथवा पानी की आपूर्ति कम होने पर यूरिया का पर्याप्त छिड़काव करें
- मिट्टी में उचित नमी और वायु संचार बनाये रखें
- मुख्य तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों के लिए मिट्टी की जाँच करने के बाद ही उर्वरक डाला जाए
- फॉस्फोरस और पोटेशियम के साथ संतुलन बनाकर नाइट्रोजन का उपयोग किया जाए
- आधारीय खुराक के रूप में कम्पोस्ट का उपयोग किया जाए तो मिट्टी में पौधे के पोषक तत्व के भंडार के रूप में कार्य करता है इससे पोषक तत्व उपयोग क्षमता कई गुना बढ़ेगी और पोषक तत्वों की कम हानि होगी
- अनुशंसित विधियों के अनुसार फसलों की अनुकूल किस्में उगायें

नीम लेपित यूरिया प्रयोग से आर्थिक लाभ

- नीम लेपित यूरिया की लागत प्रिल्ड यूरिया की तुलना में 5% प्रतिशत अधिक है
- नीम लेपित यूरिया प्रयोग करने से नाइट्रोजन उपयोग क्षमता में 10-15% की कम से कम वृद्धि का अनुमान लगाया जाता है इसका अर्थ है की नीम लेपित यूरिया का प्रयोग करने से किसान की यूरिया लागत में कम से कम 10-15% की बचत होती है अर्थात यूरिया आदान लागत में 5-10% का निवल लाभ होता है
- आमतौर पर यह पाया गया है की नीम लेपित यूरिया प्रयोग से 5-10% फसल की उपज में वृद्धि होती है क्योंकि नीम लेपित यूरिया धीमी गति से नाइट्रोजन छोड़ता है फलस्वरूप पौधे की पूरी विकास अवधि के दौरान नाइट्रोजन उपलब्ध रहती है इससे किसान को अतिरिक्त उपज तथा आय मिलती है
- भारतीय किसान 300 लाख मीट्रिक टन यूरिया की खपत करते है और 10% न्यूनतम बचत का अर्थ है 30 लाख मीट्रिक टन यूरिया की कम खपत इस प्रकारए यूरिया आयात में भारी कमी होगी जिससे राष्ट्रीय राजस्व में भारी बचत होगी
- नाइट्रोजन उपयोग क्षमता में वृद्धी का अर्थ है नाइट्रेट से भूतल जल प्रदूषण में कमी तथा अमोनिया गैस से वायु प्रदूषण में कमी होगी प्राकृतिक गैस की खपत में बचत होगी जिसका विद्युत उत्पादन आदि में प्रयोग किया जा सकता है

पशुओं को कैसे बचाएं खुरपका मुंहपका से

यह रोग विषाणु से होने वाला अत्यंत संक्रामक रोग है। यह रोग फटे खुर वाले पशुओं में होता है। इस रोग को विभिन्न जगहों पर अलग अलग नाम से जाना जाता है। खुरेसा, खुरा, खुरपका इत्यादि। सामान्यतः यह रोग गाय, भैंस, बकरी, भेड़ एवं सूकर पशुओं में होता है। इस रोग से काफी संख्या में छोटी उम्र के पशु मर सकते हैं। किंतु व्यस्क पशुओं में इस रोग के कारण मृत्यु दर 5 प्रतिशत अथवा इससे भी कम होती है। यह रोग बहुत तेजी से फैलने वाला रोग है तथा कभी-कभी यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है।

फैलने के कारण

- रोगी पशु की लार, दूषित चारे, पानी, दूध गोबर एवं पेशाब से
- ग्वाले एवं हवा के माध्यम से, एक से दूसरे पशु में।
- रोग से संक्रमित स्थान से पशु क्रय करके लाने पर।
- रोगी पशु से सीधे सम्पर्क से
- इस रोग के विषाणु रोगी पशु के फफोलों के सूख जाने के बाद घास या चारागाह में गिर जाते हैं, जब इस संक्रमित घास को स्वस्थ पशु खाता है, तो स्वस्थ पशु में यह रोग फैल जाता है।

लक्षण

- प्रारंभिक अवस्था में पशु सुस्त होता है। चारा खाना कम कर देता है।
- दूध देने वाले पशुओं का दूध कम हो जाता है। पशु को बहुत तेज बुखार आ जाता है। (106 फारेनहाइट तक)
- एक दो दिन के बाद मुंह तथा पैर में छाले पड़ जाते हैं।
- मुंह में छाले होने से लार टपकने लगती है।
- रोगी पशु लंगड़ाने लगता है, कभी-कभी घाव में छाले में कीड़े पड़ जाते हैं।
- कभी-कभी पशु के थन पर छाले पड़ जाते हैं जिससे थनैला रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। छालों के फूटने से घाव भी बन जाते हैं।

उपचार

खुरपका- मुंहपका रोग एक विषाणु जनित रोग है। अतः इस रोग का कोई सीधा उपचार नहीं होता है। एक बार रोग हो जाने पर केवल लक्षणों के आधार पर उपचार किया जाता है। इस रोग में रोगी पशु की प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने से पशु में अन्य रोगों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। जिसके बचाव के लिए उपचार किया जाता है।

उपचार के निम्न बिन्दु है-

- रोगी पशु के मुंह तथा पैर के घावों को लाल दवा (पोटेशियम परमेंगनेट) से प्रतिदिन सुबह और शाम सफाई करें।
- पैर के घावों में यदि कीड़े पड़ गये हैं, तो फिनायल में मीठा तेल मिलाकर (1:1) उस घोल में सूती कपड़े को भिगोकर घाव में भर दें। जिससे कीड़े बाहर आ जायेंगे। इसके अलावा तारपीन का तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।
- रोग की तीव्रता बढ़ने पर पशु चिकित्सक से सम्पर्क करें।

रोकथाम-विषाणु जनित रोग होने से इस रोग का उपचार संभव नहीं है अतः हमें ज्यादा इस रोग की रोकथाम पर ध्यान देना चाहिए। जिससे कि यह रोग रोगी पशु से स्वस्थ में न फैले। रोग की रोकथाम निम्नानुसार करें।

- रोगी पशु को अन्य स्वस्थ पशु से अलग रखें।
- रोगी पशु को नदी, तालाब, पोखर आदि में पानी पीने नहीं दें, रोगी पशु की खान-पान की व्यवस्था अलग करें।
- बीमार पशुओं का इलाज करायें एवं स्वस्थ पशुओं को टीकाकरण करायें।
- रोगी पशुओं के बाड़े में पशुपालक अलग कपड़ों व जूतों का प्रयोग करें एवं बाहर आने पर हाथ-पैर धोकर कपड़े व जूते बदल लें।
- मृत पशुओं के शव को गहरा गड्ढा खोदकर उसमें नमक व चूना डालकर दफनाना चाहिए अथवा जला दें।
- निकट के पशु चिकित्सक को रोग की सूचना दें।
- इस रोग के बचाव के लिए टीकाकरण अवश्य कराए, खुरपका मुंह पका रोग का टीका साल में दो बार मई-जून तथा अक्टूबर-नवम्बर में लगवायें।

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

भूमि

टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

खेत की तैयारी

प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

उन्नतशील किस्में

पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

बीज दरः- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर

संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

पौध तैयार करना (नर्सरी):- वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

बीजोपचार :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

बुआई का समय :- खरीफ- जून-जुलाई,

शीत -अक्टूबर- नवम्बर

रोपण :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

पौध अन्तरण:- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

उर्वरक की मात्रा :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

सिंचाई :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक है। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

निंदाई गुड़ाई :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

वृद्धि नियामकों का प्रयोग

वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी. सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

सहारा देना

ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं है। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

फलों की तुड़ाई

टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

कच्चे या हरे फल

टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

गुलाबी या हल्के लाल फल

टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

पके हुए टमाटर :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

अधिक पके टमाटर :- बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परिरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शनिवार 22 नवंबर 2025

सिख दंगा-राहुल की स्वीकारोक्ति

देश का मौजूदा दौर नेतृत्व द्वारा अपने उत्तरदायित्वों से बचने और दूसरों पर दोष मढ़ने का है। 2014 से प्रार भ हुआ यह कालखंड ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा हुआ है जिनमें नेतृत्व जि मेदारी से भागता नज़र आता है। भारतीय जनता पार्टी की जिस सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं, उसमें चाहे खुद मोदी हों अथवा उनकी पार्टी या सरकार- हर तरह के उत्तरदायित्वों से पीछा छुड़ाती नज़र आती है। नोटबन्दी से लेकर किसान कानून हों जिनके कारण अनेक मौतें हुई हों अथवा मणिपुर की त्रासदी, सुरक्षा में चूक के चलते पुलवामा की घटना हो या पिछले माह की पहलगाम की आतंकी घटनाएं- मोदी का किसी भी मामले में जि मेदारी लेना तो दूर, उनका कोई सादा सा बयान तक नहीं आता। जहां किसी प्रदेश के विधानसभा में पार्टी की चुनावी हार हो जाये तो स्टार प्रचारक होने के नाते ही सही- उन्हें अपनी भूमिका को ठीक से न निभाने के लिये न तो खेद प्रकट करते देखा गया और न ही हार का जि मेदार खुद को बताते पाया गया। निजी तौर पर उनकी गलत बयानी, सायास तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने की चालाकी सामने आने के बाद भी वे न तो अपनी चूक को स्वीकारेंगे, न ही ऐसी गलती दोहराने से बचने का संकल्प जतायेंगे। ऐसे दौर में राहुल गांधी 1984 के उन सिख दंगों की जि मेदारी सार्वजनिक रूप से लेते हैं, जब वे मात्र 14 साल के थे। उल्लेखनीय है कि अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में ऑपरेशन ब्लू स्टार से नाराज़ इंदिरा गांधी के सिख सुरक्षाकर्मियों ने जब इस फैसले के लिए उन्हें गोलियों से भून दिया था, तब देश भर में सिखों के खिलाफ दंगे भड़क उठे थे। खासकर, दिल्ली में बड़े पैमाने पर सिखों का कत्ल हुआ था जिसका घाव अब भी भारत के सीने पर है और सिख स्वाभाविकत= आज भी उस घटनाक्रम से नाराज़ हैं। इन दंगों में अनेक कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की संलिप्तता पायी गयी। अनेक नेता दोषी भी पाये गये। जगदीश टाइटलर और सज्जन कुमार उनमें बड़े नाम थे जिन्हें अति सुस्त ही सही, पर एक निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया के तहत दोषी भी साबित किया गया है। बड़ी तादाद में लोगों के खिलाफ़ मुकदमे चलाये गये हैं। पिछले माह जब राहुल अमेरिका के दौरे पर गये थे, तब उन्होंने ब्राउन विश्वविद्यालय के वाटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में भाषण दिया था। एक सिख छात्र ने उनके पहले के एक भाषण का हवाला देते हुए कहा कि आप सिखों में डर पैदा करना चाहते हैं। याद हो कि राहुल ने विदेशी दौरे में ही एक भाषण में कहा था कि सिखों को कड़ा पहनने या केश धारण करने या गुरुद्वारे जाने से भी रोका जा सकता है। दरअसल राहुल का मंतव्य देश में अल्पसं यकों की धार्मिक आजादी को भाजपा सरकार की ओर से खतरे से था। सिख युवक ने कहा कि, %वे (सिख) न केवल कड़ा धारण करना चाहते हैं, न केवल केश रखना चाहते हैं वरन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी चाहते हैं।% इसी सिलसिले में उस युवक ने जब सिखों के खिलाफ भड़के दंगों का मुद्दा उठाया तो राहुल ने साफगोई से कहा कि %वैसे वे उस दौरान नहीं थे, परन्तु वे दंगों पर उनकी पार्टी की गलतियों को अपने सिर पर लेने के लिये सहर्ष तैयार हैं।% इतना ही नहीं, उन्होंने कहा- %कांग्रेस द्वारा इतिहास में जो भी गलतियां की गयी हैं, उन सभी की वे जि मेदार लेते हैं।. यह वीडियो अब वायरल हुआ है, जिसमें सिखों के प्रति ही नहीं, वरन अल्पसं यकों के प्रति भी राहुल का दृष्टिकोण तथा पार्टी की तत्स बन्धी गलतियों को लेकर उनकी स्वीकोरोक्ति जाहिर हुई है। युवक ने आरोप लगाया कि %आप भाजपा के नाम से सिखों को डरा रहे हैं जबकि आप कहते हैं कि राजनीति में निडरता होनी चाहिये। यदि ऐसा रहा तो पंजाब में भी भाजपा आ जायेगी। हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहते हैं जो कांग्रेस के शासनकाल में नहीं थी।% उक्त युवक की बात में आनंदपुर साहिब प्रस्ताव, सिख दंगों के दोषी सज्जन कुमार आदि का भी उल्लेख था। उस युवक ने जब पूछा कि %क्या अतीत में उनकी पार्टी में परिपक्वता का अभाव था%, तो राहुल ने कहा कि %अतीत में कांग्रेस द्वारा जो भी गलतियां हुई हैं, वे सभी की सहर्ष जि मेदारी लेते हैं।

कैसे घबराया साहिब, बात-बात पर डरता है!

राजेंद्र शर्मा

चुनाव के तीसरे चरण की ओर बढ़ते हुएए मोदी की भाजपा कुल मिलाकर बचाव की मुद्रा अपनाने पर मजबूर होती नजर आ रही है। यह उसके खुली सांप्रदायिक दुहाई का सहारा लेने के बावजूद है। उसके दुर्भाग्य से बचाव की यह मुद्रा भी काम आती नजर नहीं आ रही है। बेशकए अपनी ओर से कोई कसर न छोड़ते हुएए उसने सीधे आरएसएस को भी प्रत्यक्ष रूप से मैदान में उतरने के लिए तैयार कर लिया है।

शुक्रवारए 26 अप्रैल को हुए दूसरे चरण के मतदान नेए संघ.भाजपा की कुशंकाओं की और बाकी सब के इसके व्यापक अनुमानों की पुष्टिड्ड कर दी है कि जिस मोदी लहर का इतना ढोल पीटा जा रहा थाए वह तो खैर इस चुनाव में खोजे से भी नहीं मिलेगीए अलबत्ता इस बार मोदी उतार के काफी प्रबल लक्षण हैं। ये लक्षणए 4 जून को मोदी के सत्ता से उतरने तक ले जाएंगे या उससे कुछ पीछे रह जाएंगे या पहले ही रोक दिए जाएंगेए इसके लिए तो बेशक अभी सवा महीने और इंतजार करना पड़ेगा। लेकिनए इस चुनाव में मोदी के उतार पर रहने के जो लक्षण पहले चरण में सामने आये थेए उनकी दूसरे चरण ने पुष्टिड्ड कर दी है। पहले चरण में अगरए 2019 के चुनाव के मुकाबलेए 102 सीटों पर हुए मतदान में कुल मिलाकर 4 फीसद वोट की गिरावट देखने को मिली थीए तो दूसरे चरण के मतदान में भी वही रुझान बना रहा है। दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 सीटों पर जो वोट पड़े हैंए उनमें 2019 के चुनाव के मुकाबले 3 फीसद से अधिक गिरावट दर्ज हुई है। इस गिरावट से पहले चरण के बाद से लगाए जा रहे इस अनुमान की पुष्टिड्ड हो गयी है कि मतदान में यह गिरावटए कमो.बेश इस पूरे चुनाव की ही विशेषता रहने जा रही है। जाहिर है कि इस गिरावट के संकेत भीए पूरे चुनाव के लिए ही सच होने चाहिए।

दूसरे चरण की 88 सीटों में इस गिरावट में बेशकए केरल में हुई 6ण्5 की गिरावट भी शामिल है। लेकिनए इस राज्य की 20 सीटों पर मुकाबले से भाजपा को तो एक तरह से बाहर ही माना जा रहा है और इसलिए इसके रुझान से भाजपा की सेहत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। पर इस चरण में मत फीसद में यह गिरावट 13 राज्यों में से पूरे 11 में दिखाई दी है। छत्तीसगढ़ और कर्नाटक ही इसका अपवाद रहे हैं और कम से कम कर्नाटक का इस रुझान का अपवाद रहना तोए किसी भी तरह से भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं है। कुछ ही महीने पहले जोरदार तरीके से कांग्रेस के शासन में आये कर्नाटक मेंए जहां 2019 में भाजपा 28 में से 26 सीटों पर काबिज हो गयी थीए मत फीसद में बढ़ोतरी उसके संसदीय बोलबाले के छीझने का ही संकेत हो सकती है।

बहरहालए भाजपा के लिए इससे भी महत्वपूर्ण संकेतए उसका गढ़ मानी जाने वाली हिंदी पट्टी में मत फीसद में बिहार में 3ण्5 फीसदए मध्य प्रदेश में 9ण्1 फीसदए उत्तर प्रदेश में 7 फीसदए राजस्थान में 3ण्4 फीसद की गिरावट होना है। पहले चरण में भी दर्ज हुई इस गिरावट का दूसरे चरण में भी जारी रहनाए इसका स्पष्टड्ड संकेत है कि 2019 के चुनाव मेंए सबसे बढ़कर पुलवामा और बालाकोट के सहारेए राष्ट्रवाद के जिस आ ड्डयान के बल पर उठाई गई लहर के ज्वार ने भाजपा को तीन सौ पार पहुंचाया थाए वह ज्वार कब का उतर कर भाटा बन चुका है और इस बार पूरे चुनाव में भाटा ही बना रहने जा रहा है।

यह वही हिंदी पट्ड्डटी है जहां विपक्ष के नाम पर कांग्रेस को मप्र तथा बिहार में एक.एक सीट और उत्तर प्रदेश में सपा.बसपा का एका होने के बाद भीए उसे 15 तथा कांग्रेस को एक सीट ही मिल पाई थी। उसी हिंदी पट्टी में मतदान में उल्लेखनीय गिरावटए तीसरी बार मोदी सरकार के नारे के प्रति मतदाताओं की उदासीनता से लेकर विमुखता तक का खुला ऐलान कर रही है।

जैसा कि अधिकांश राजनीतिक प्रेक्षकों ने दर्ज कियाए पहले चरण के मतदान के संकेतों से हुई घबराहट का नतीजाए खुद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के अपनी प्रचार कार्यनीति में साफसाफ दिखाई देने वाला बदलाव करए खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक अपील को प्रचार केंद्र में लाने के रूप में सामने आया। ड्डक्षहदीभाषी पट्टी में ही राजस्थान मेंए बांसवाड़ा के अपने कु ड्डयात भाषण से प्रधानमंत्री ने इसकी शुरूआत कीए जिसमें कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र तथा उसके तत्कालीन प्रधानमंत्रीए मनमोहन सिंह के 2006 के एक भाषण का नाम लेकरए विपक्ष पर गरीब दलितोंए आदिवासियोंए पिछड़ों की संपत्तियांए विशेष रूप से महिलाओं का सोना तथा मंगलसूत्र तक जब्त करने के मंसूबे बनाने का ही आरोप नहीं लगाया गयाए नाम लेकर यह आरोप भी लगाया गया कि वे ये संपत्तियां छीनकर मुसलमानों में यानी ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों मेंए घुसपैठियों में बांटेगी! इस सरासर झूठे दावे और खुली सांप्रदायिक अपील के खिलाफ कांग्रेस समेत अनेक विपक्षी पार्टियों और हजारों आम नागरिकों के भी चुनाव आयोग से शिकायत करने से लेकरए पुलिस से शिकायत करने तक के बावजूदए प्रधानमंत्री मोदी ने पहले और दूसरे चरण के मतदान के बीच के दौर में अपने चुनावी भाषणों में इसी को अपना मु ड्डय राग बनाए रखा है। हां! उन्होंने इतना जरूर किया कि बाद में मुसलमान शब्द का प्रयोग न करने की सावधानी बरतनी शुरू कर दी और उसकी एवज में तुष्टड्डीकरण के लाभार्थी की संज्ञा का सहारा लेना शुरू कर दिया। बाद में चुनाव आयोग के एक अनोखे फैसले मेंए इन भाषणों पर शिकायतों के सिलसिले में भाजपा अध्यक्षए जेपी नड्डड्डा को पत्र लिखकर जवाब मांगने के बाद भीए प्रधानमंत्री मोदी ने न अपने झूठ से तौबा की और न सांप्रदायिक दुहाई से।

बहरहालए इस सब के बावजूद दूसरे चरण के मतदान मेंए 2019 के मुकाबले पहले चरण की जैसी ही गिरावट नेए खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक दुहाई के इस हथियार के भी भोंथरा साबित होने के अपने स्पष्टड्ड संकेत से साहब की घबराहट और बढ़ा दी है। आखिरए एक यही तो हथियार है जिसका इस्तेमाल करने में उन्हें महारत हासिल है। बहरहालए जैसा कि अनेक राजनीतिक प्रेक्षकों ने दर्ज भी किया हैए दूसरे चरण के बाद से संघ.भाजपा की कार्यनीति में बदलावों का एक और चक्र शुरू हो चुका है। बेशकए ऐसा नहीं है कि अब कांग्रेस के घोषणापत्र के संबंध मेंए उसके संपत्ति छीनकर मुसलमानों को बांटने के आरोपों का सांप्रदायिक झूठ छोड़ ही दिया गया है। कतई नहीं। यह झूठ बराबर दोहराया जा रहा हैए किंतु थोड़े बदलाव के साथ। दूसरे चरण के लिए प्रचार के आखिर तक आते.आतेए इस झूठ में एक नया तत्व जोड़करए इसे दलितोंए आदिवासियोंए पिछड़ों यानी हिंदुओं से आरक्षण छीनकरए मुसलमानों को देने के षडयंत्र की दिशा में बढ़ाया जा चुका था। दूसरे चरण के बाद से अब विशेष रूप से इसी के सहारे सांप्रदायिक दुहाई को आगे बढ़ाया जा रहा है।

बहरहालए यह बदलाव सिर्फ इतना ही नहीं है। इसके साथ एक और तत्व भी जुड़ा हुआ है। ऐसा लगता है कि संघ.भाजपा की मनुवादीध्आरक्षणविरोधी प्रकृति तथा उसके जातिगत जनगणना के खिलाफहोने की विपक्ष की आलोचनाओं के संदर्भ मेंए अबकी बार चार सौ पार का मोदी का नाराए सामाजिक रूप से वंचितों के बीच उल्टा काम कर रहा है। इस चुनाव में भाजपा के कम से कम चार प्रत्याशियों के संविधान बदलने के लिए चार सौ जरूरी होने के अलग.अलग दावों सेए कमजोर तबकों की इसकी आशंकाओं को बल मिला है कि चार सौ पार के पीछे मंशाए संविधान को ही बदल देने और आरक्षण को खत्म करने की है। इस जोर पकड़ती धारणा से पीछा छुड़ाने की कोशिश में मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने विपक्ष के खिलाफआरक्षण की चोरी के आरोपों का स्वर ही तेज नहीं कर दिया हैए वे बार.बार इसका भरोसा दिला रहे हैं कि खुद संविधान को बदलना तो दूरए जिसमें आरक्षण भी शामिल हैए वे तो किसी और को बदलने भी नहीं देंगे। अमित शाह ने मोदी की ओर इसकी मोदी गारंटी देनी शुरू कर दी है। घबराहट इतनी ज्यादा है कि मोदी की सभाओं में चार सौ पार का जिक्र तक गायब हो गया है। इतना ही नहींए अब तो फिर एक बार मोदी सरकार जैसे सीधे नारों से भी बचा जा रहा है और महाराष्टड्ड में हाल की अपनी चुनाव सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी गरीबों की सरकारए दलितों की सरकारए पिछड़ों की सरकार के नारे लगवाते नजर आए! इस बीच विकसित भारत के नारेए पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के दावे और भारत के महाशक्ति बना दिए जाने की शेखियांए सब प्रचार की प्राथमिकताओं में पीछे छूट गए हैं। इस तरहए चुनाव के तीसरे चरण की ओर बढ़ते हुएए मोदी की भाजपा कुल मिलाकर बचाव की मुद्रा अपनाने पर मजबूर होती नजर आ रही है। यह उसके खुली सांप्रदायिक दुहाई का सहारा लेने के बावजूद है। उसके दुर्भाग्य से बचाव की यह मुद्रा भी काम आती नजर नहीं आ रही है। बेशकए अपनी ओर से कोई कसर न छोड़ते हुएए उसने सीधे आरएसएस को भी प्रत्यक्ष रूप से मैदान में उतरने के लिए तैयार कर लिया है और स्वयं आरएसएस सरसंघचालक ने एक बयान जारी करए इसका ऐलान किया है कि आरएसएस के खिलाफ यह झूठा प्रचार हो रहा है कि वह आरक्षण के खिलाफ हैय आरएसएस हमेशा से संविधान.प्रदत्त आरक्षण के पक्ष में रहा है ;जो कि सफेद झूठ हैद्ध और रहेगाए जब तक कि आरक्षण की जरूरत रहती है।

लेकिनए ये सफाइयां भी बहुत असर करती नजर नहीं आ रही हैं। दूसरी ओरए मोदी स ड्डमोहन की धुंध छंटने के साथए बेकारीए महंगाई से लेकर बढ़ती तानाशाही तथा बढ़ते सामाजिक.धार्मिक विद्वेष की सच्चाइयांए आम जनता की नजरों में ज्यादा से ज्यादा चुभ रही हैं और इसे बढ़ते पैमाने पर लोग स्वर भी दे रहे हैं। इन हालात मेंए तीसरे चरण में संघ.भाजपा की बदली हुई चुनावी कार्यनीति की विफलता सामने आने के बादए चुनाव के बीचौ.बीच संघ.भाजपा की घबराहट क्या रूप लेती हैए अभी कल्पना करना मुश्किल है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की चालें काम नहीं कर रही हैं। साहेब घबराया हुआ है। यह दिलचस्प समय है। यह खतरनाक समय भी है।

विरासत कर पर विवाद को खींचने का कोई आधार नहीं

अंजन रॉय

यह प्रयास सार्थक नहीं थाए क्योंकि राजस्व अर्जन संपत्ति शुल्क के प्रशासन के अनुरूप नहीं था। इस देश मेंए संपत्ति शुल्क का भुगतान करने से बचने के लिएए बड़े जमीन जायदाद के मालिकों ने संपत्ति के स्वामित्व को जारी रखने के लिए कानूनी कल्पनाएं रची थीं। ट्रस्ट पसंदीदा माध्यम थे। हिन्दू अविभाजित परिवारों की भी कुछ उपयोगिता थी। पुराने परिवारों में कुलदेवता के नाम पर ट्रस्ट बनाना भी एक व्यापक प्रथा थी।

विरासत कर को फिर से लागू करने का विवाद किसी और ने नहीं बल्कि पुराने तकनीक प्रेमी सैम पित्रोदा ने उठाया थाए जिसने लोकसभा चुनाव के मौजूदा अभियान में विपक्षी कांग्रेस को एक बड़ी दुविधा में डाल दिया है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ताज़ा चुनावी भाषणों में जो हंगामा मचाया हैए वह ग़लत हैए क्योंकि यह कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा नहीं है और सैम पित्रोदा कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता नहीं हैं। सैम पित्रोदा ने राजीव गांधी के सलाहकार के रूप में अपने शुरुआती वर्षों में एक विशिष्ट मौलिक भूमिका निभायी थी। उन्होंने भारत के आधुनिकीकरण के लिए पांच मिशन मोड का विचार रखा थाए जिनमें से टेलीकॉम मिशन ने परिवर्तन एजेंट के रूप में काम किया था।

पित्रोदा ने सी.डॉट ;टेलीमैटिक्स विकास केंद्रद्ध की स्थापना की थीए जिसने देश के दूरदराज के इलाकों में दूरसंचार सेवाओं का विस्तार करने के लिए अनुसंधान और विकास परियोजनाएं शुरू कीं। उन शुरुआती दिनों मेंए सी.डॉट ने भारतीय परिस्थितियों के लिए विशिष्ट दूरसंचार अनुप्रयोगों पर कुछ मौलिक शोध किये थे जो विशिष्ट रूप से प्रासंगिक थे।

दूरसंचार क्षेत्रों के बाद के उदारीकरण के तरह दूरसंचार सेवाओं पर दूरसंचार मंत्रालय के एकाधिकार को खत्म करने से देश में दूरसंचार क्रांति को बढ़ावा मिला। दूरसंचार क्षेत्र को खोले बिना अगली सबसे अच्छी चीज़ए आईटी क्रांति और भारत का आईटी महाशक्ति के रूप में उभरनाए संभव नहीं हो सकता था।

उन दिनों से सैम के नाम से मशहूर सत्येन्द्र गोवर्धनदास पित्रोदा अपने मूल स्थान अमेरिका वापस चले गये थे। लगभग चालीस साल पहले सैम पित्रोदा की इन शुरुआती चमक ने अपना काम किया है और अब सैम उस पुरानी प्रमुखता को फिर से हासिल करना चाह रहे हैंए लेकिन पुराने विचारों के साथ।

आज सैम पित्रोदा को कुछ ऐसे विचारों के लिए हल्के में खारिज करना अनुचित होगा जो शायद देश की वर्तमान आकांक्षाओं से मेल नहीं खाते। वह केवल उस विचार को आगे बढ़ा रहे थे जिसे राहुल गांधी ने देश में आय असमानता के बारे में अपने चुनावी भाषणों के दौरान उठाया था। यदि व्यापक असमानता है तो तुरंत इसकी जड़ों पर हमला क्यों न किया जाये।

लेकिन ऐसा विचार आज की युगचेतना के विरुद्ध है। विरासत करए या जिसे अक्सर मृत्यु दिवस के रूप में जाना जाता हैए ऐसा ही एक है।

मरणासन्न स्थैतिक दुनिया मेंए जहां खेल हमेशा श्मैं जीतता हूंए तुम हारते होश् जैसा होता हैए ऐसे विचारों के लिए कुछ अपील है। गतिशील रूप से बढ़ते परिदृश्य मेंए जहां नये अवसर उभर रहे हैंए जहां खेल हमेशा श्जीत.जीतश् समाधान का होता हैए ऐसे विचार खिड़की से बाहर चले जाते हैं।

अंतर्निहित कर की अवधारणा राज्य के लिए आकर्षक है क्योंकि इससे उसे व्यक्तियों की संचित बचत से लाभ मिलता है। लेकिन यह बचतकर्ताओं और निवेशकों के लिए हतोत्साहित का काम करता है। वर्तमान समय के स्टार्ट.अप गुरुओं और वर्तमान समय के सफल प्रौद्योगिकी सम्राटों पर विचार करें। मृत्यु कर्तव्य पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होगीघ् ऐसे उदाहरण हैं जब मृत्यु कर्तव्य ने बहुत अच्छी तरह से काम नहीं किया है।

ब्रिटेन में विरासत कर या संपत्ति शुल्क था। परिणामस्वरूपए पारंपरिक संपत्तियों का कोई भी मालिक किसी वंशज की मृत्यु के बाद अपनी हिस्सेदारी बरकरार नहीं रख सका। क्रमिक चरणों में ये बचतें गायब हो गयीं। दिवालिया संपत्ति मालिकों को बचाने के लिएए ब्रिटेन को पुराने परिवारों से संपत्ति लेने के लिए एक राष्ट्रीय ट्रस्ट की स्थापना करनी पड़ी। वे विरासत कर का भुगतान करने के बाद दिवालिया हो गये थे।

यह प्रयास सार्थक नहीं थाए क्योंकि राजस्व अर्जन संपत्ति शुल्क के प्रशासन के अनुरूप नहीं था। इस देश मेंए संपत्ति शुल्क का भुगतान करने से बचने के लिएए बड़े जमीन जायदाद के मालिकों ने संपत्ति के स्वामित्व को जारी रखने के लिए कानूनी कल्पनाएं रची थीं। ट्रस्ट पसंदीदा माध्यम थे। हिन्दू अविभाजित परिवारों की भी कुछ उपयोगिता थी। पुराने परिवारों में कुलदेवता के नाम पर ट्रस्ट बनाना भी एक व्यापक प्रथा थी।

ज्ञात कर चोरी की ऐसी प्रणाली का नुकसान यह है कि बड़ी स पदाएं कानूनी उलझनों में बंद हैं और वर्षों में इनका क्षय हो जाता है। लाभकारी मालिक अब किसी भी रूप में उत्पादक उद्देश्यों के लिए अपनी संपत्ति का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं।

ऐसी कानूनी कल्पनाओं को प्रोत्साहित करने के बजायए वंशजों के लिए संपत्ति छोड़ देना कहीं बेहतर है। किसी भी दर परए ईमानदारी से कहें तोए बड़ी संपत्ति के लिए वंशज अगली दो पीढ़ियों में संचित संपत्ति को बर्बाद कर देते हैं। इसका सामाजिक रूप से लाभकारी प्रभाव पड़ता हैए जहां तक पैसा और संपत्ति लॉक होने के बजाय प्रसारित होती रहती है।विरासत कर की अवधारणा श्समाज के समाजवादी पैटर्नश् से जुड़ी है। अपने चरम रूप मेंए इसका अंतर्निहित दर्शन समाज की सभी उत्पादक संपत्तियों पर सामुदायिक स्वामित्व का सा यवादी सिद्धांत था। यह प्रयोग सोवियत संघ और माओ के चीन में आज़माया गया था जहां सभी उत्पादक संपत्तियां राज्य की थीं।

इन विचारों ने विभिन्न चरणों में देशों की अर्थव्यवस्थाओं के साथ खिलवाड़ किया है। स्टालिन द्वारा क यून्स की शुरूआत और भूमि अधिकारों और व्यक्तिगत फार्मों को समाप्त कर सामूहिक फार्म शुरू करने के कारण बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। कुल परिणाम था. कृषि उत्पादन में गिरावट और उसके परिणामस्वरूप भूख से मौतें।

संपदा शुल्क का विचार भारत में विशेष रूप से घृणित है। यहां पैतृक संपत्ति को एक प्राकृतिक प्रक्रिया माना जाता है। इसमें किसी भी हस्तक्षेप से घृणा की जागती हैए जैसा कि ऐसा कर लागू होने पर होता था। जैसा कि आप सभी जानते हैंए मृत्यु कर से परोपकार की बाढ़ आ सकती हैए जिसकी आड़ में लाभकारी मालिक आनंद लेते रहेंगे।

विविध समाचार

सहायक आचार्य नियुक्ति से सीटेट और दूसरे राज्यों से टेट उज़ीर्ण अभ्यर्थी बाहर, जेटेट ही मान्य

रांची २१/११ (संवाददाता): राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में सहायक आचार्य के 26,001 पदों पर होनेवाली नियुक्ति से सीटेट (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा) तथा दूसरे पड़ोसी राज्यों से टेट उज़ीर्ण अभ्यर्थी बाहर हो गए हैं। अब झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) उज़ीर्ण अज़्यर्थी ही इस पद पर नियुक्त हो सकेंगे। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने सीटेट तथा दूसरे राज्यों से टेट उज़ीर्ण वैसे 53,6024 अज़्यर्थियों के आवेदन रद कर दिए हैं, जिन्हें झारखंड उच्च न्यायालय के

आदेश के आलोक में आवेदन का अवसर प्रदान किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय में उच्च न्यायालय के उक्त आदेश निरस्त होने के बाद आयोग ने यह निर्णय किया। आयोग ने मंगलवार को सूचना जारी कर कहा कि झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 से संबंधित याचिका संज़्या एसएलपीसी 4194/2024 परिमल कुमार एवं अन्य बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य के मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 30 जनवरी 2025 को आदेश पारित किया गया है। उक्त पारित आदेश के आलोक में परीक्षा संबंधी 15 फरवरी 2024 को जारी संशोधित परीक्षा विवरिणका को रद किया जाता है। साथ ही 22 अज़्टूबर 2023 के बाद प्राप्त सभी आवेदनों को रद किया जाता है। दरअसल, आयोग द्वारा 15 फरवरी 2024 को जारी संशोधित विवरणिका के तहत इन पदों पर होनेवाली नियुक्ति में उच्च न्यायालय के आदेश पर झारखंड के रहनेवाले वैसे अज़्यर्थियों को परीक्षा में सज़्मिलित होने की अनुमति प्रदान की गई थी, जो सीटेट या पड़ोसी राज्यों की शिक्षक पात्रता परीक्षा उज़ीर्ण थे, लेकिन उसमें यह शर्त रखी गई थी कि संबंधित अज़्यर्थियों को नियुक्ति के तीन वर्ष के भीतर एवं पहले उपलज़्ध अवसर में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) उज़ीर्ण होना अनिवार्य होगा। लेकिन बाद में जेटेट उज़ीर्ण अज़्यर्थियों द्वारा उक्त आदेश को चुनौती देने पर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में झारखंड उच्च न्यायालय के उस आदेश को निरस्त कर दिया। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 30 जनवरी 2015 को पारित आदेश के आलोक में 22 अज़्टूबर 2023 के बाद भरे गए सभी आवेदनों को रद करने का निर्णय लिया है। लेकिन कई अज़्यर्थियों द्वारा एक से अधिक आवेदन समर्पित करने की स्थिति में अद्यतन आवेदन को वैध मानते हुए इस तिथि के पूर्व भरे गए आवेदनों को आयोग द्वारा पूर्व में रद किया गया था। अब एक से अधिक आवेदन भरने की स्थिति में जिन अज़्यर्थियों के आवेदन को आयोग द्वारा रद घोषित किया गया था, वैसे अज़्यर्थियों के 22 अज़्टूबर 2023 के पूर्व भरे गए आवेदन को पुनर्बहाल कर दिया गया है। ऐसे अज़्यर्थियों की संज़्या 1,196 है। उक्त आवेदन में की गई प्रविष्टि के आधार पर परीक्षा संबंधी शेष कार्रवाई की जाएगी।

आज का राशिफल

मेष - आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृज़ियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ - गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के सज़्बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी - व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क - गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह - आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या - गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप ज़्याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृज़ियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला - गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक - आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के सज़्बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के सज़्बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु - गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर - आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ - गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महज़्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन - आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

ड्रॉप आउट बच्चों की जांच के लिए बनाई गई स्पेशल टीम

रांची २१/११ (संवाददाता): सरकारी स्कूलों में ड्राप आउट बच्चे वापस लौटे या नहीं, इसकी जांच होगी। इसे लेकर सभी 24 जिलों के लिए अलग-अलग गठित राज्य स्तरीय टीम बुधवार से स्कूलों का निरीक्षण करेगी। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में इसे लेकर राज्य स्तरीय टीम को प्रशिक्षण दिया गया। इस क्रम में राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने 61 सदस्यीय टीम को कई आवश्यक निर्देश भी दिए।

राज्य स्तरीय टीम को संबोधित करते हुए निदेशक ने 卐सुबह नाश्ते से पहले निरीक्षण卐 का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के कारण स्कूलों का समय सुबह साढ़े ग्यारह बजे तक ही है। ऐसे में बच्चों से बात कर स्कूल की जमीनी हकीकत का पता लगाने के लिए सभी टीमें अहले सुबह ही फील्ड में भ्रमण के लिए निकल जाएं। कहा कि दो-तीन वर्ष में लगातार जिस स्कूल में आउट ऑफ स्कूल बच्चों का आंकड़ा नहीं सुधर रहा है, वहां अनिवार्य रूप से जाएं।

स्कूलों में शिशु पंजी सर्वे की गहनता से जांच करे। उन्होंने टेबल वर्क नहीं करने की चेतावनी भी दी। निदेशक ने कहा कि बीआरपी और सीआरपी अपना काम नहीं कर रहे हैं, तो उसकी रिपोर्ट दें। उनके विरुंद्ध उचित कार्रवाई की जाएग ी। उन्होंने टीम के सदस्यों को भ्रमण के दौरान आचरण में गंभीरता लाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने जीरो ड्राप आउट की जमीनी हकीकत जानने का निर्देश दिया। ज़्कहा कि स्कूल का दावा सही है, तो उसे प्रोत्साहित किया जाएगा और दावा भ्रामक पाए जाने पर स्कूल के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। स्कूलों में 75 प्रतिशत उपस्थित है या नहीं, इसकी भी जांच होनी चाहिए। बताते चलें कि स्कूलों का निरीक्षण 20 मई तक होगा। टीम को 27 मई तक रिपोर्ट देने को कहा गया है।

निदेशक ने गिरिडीह के बेलको हाई स्कूल, गोपालडीह द्वारा स्टूडेंट माइग्रेशन का भ्रामक डाटा उपलज़्ध कराने पर उसकी जांच का आदेश दिया। समीक्षा के दौरान पाया गया कि स्कूल ने यू-डायस पोर्टल पर स्टूडेंट माइग्रेशन के संबंध में अतार्किक और भ्रामक डाटा अपलोड किया है।

खेलगांव हाउसिंग में छत से गिरकर सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल की मौत, बिहार के रहने वाले थे दिवाकर सिंह

रांची २१/११ (संवाददाता): खेलगांव हाउसिंग सोसायटी में रहने वाले लेज़्टिनेंट कर्नल दिवाकर सिंह का शव पुलिस ने सुबह पार्किंग एरिया से बरामद किया। पुलिस आत्महत्या एवं दुर्घटना दोनों एंगल से जांच कर रही है। वे 47 वर्ष के थे और मानसिक परेशानी से जूझ रहे थे। अपनी बेटी व पत्नी के साथ खेलगांव में रह रहे थे। वे बिहार के मुजज़्फरपुर जिला के रहने वाले थे। उनकी पोस्टिंग दीपाटोली ;रांचीद्ध स्थित सेना के मुज़्यालय में थी। खेलगांव हाउसिंग सोसायटी में शव पड़े होने की सूचना पर मंगलवार की सुबह पुलिस पहुंची। पुलिस ने पाया कि दिवाकर सिंह की मौत हो चुकी है। शव को सबसे पहले गार्ड ने देखा। लेज़्टिनेंट कर्नल की पत्नी ने पुलिस को बयान दिया है कि दिवाकर शाम से छत पर बैठे हुए थे। वह अज़्सर छत पर घंटो बैठते थे। सोमवार की रात पत्नी ने दिवाकर को कई बार फोन कर घर के अंदर आने के लिए कहा था। वे बार.बार यही कह रहे थे कि कुछ देर में आते हैं। इसके बाद पत्नी अपनी बेटी के साथ सो गई। सुबह में पत्नी को पता चला कि छत से गिरने से दिवाकर की मौत हो गई है। खेलगांव थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया.शुरुआती जांच में पता चला है कि पैसे को लेकर दिवाकर परेशान थे। हालांकि घरेलू और कार्यालय की भी परेशानी हो सकती है। लेज़्टिनेंट कर्नल दिवाकर सिंह की पत्नी ने पुलिस को बयान दिया है कि उनका इलाज चल रहा था। वह मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे। दिवाकर को दवा दी जा रही थी। तीन माह से ज्यादा परेशान चल रहे थे। वे कार्यालय में आर्मी सप्लाई कोर का काम देखते थे। पिछले एक साल से अध्ययन के लिए अवकाश पर थे। दिवाकर किस बात को लेकर परेशान थेए इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। दिवाकर सिंह का बेटा दिल्ली में रहकर एमबीए की तैयारी कर रहा है। उसे घटना की जानकारी दे दी गई है। उनकी एक बेटी है जो रांची में रहकर पढ़ाई करती है।

रोड़ों खर्च करने के बाद भी ज़्यों रुका खरकई डैम का काम, हाई कोर्ट ने सचिव से मांगा जवाब

रांची २१/११ (संवाददाता): झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एसएन प्रसाद व जस्टिस एके राय की खंडपीठ में सरायकेला में खरकई डैम निर्माण पर छह हजार करोड़ से अधिक खर्च होने के बाद प्रोजेज़्ट बंद करने के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई हुई।सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार के जवाब पर कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि इस प्रोजेज़्ट पर 6100 करोड़ से अधिक खर्च हो चुका है।

प्रोजेज़्ट के लिए टेंडर करने से पहले राज्य सरकार ने प्रोजेज़्ट रिपोर्ट जरूर बनाई होगी। ज़्या प्रोजेज़्ट रिपोर्ट में राज्य सरकार ने जमीन अधिग्रहण को लेकर ग्रामीणों के आंदोलन को लेकर किसी प्रकार का विचार नहीं किया था।

अदालत ने कहा कि अगर यही स्थिति है तो अदालत मामले में सीबीआई को प्रतिवादी बनाकर जांच करवा देती हैए जिससे सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। अदालत ने मामले में मुज़्य सचिव से जवाब मांगा है।

अदालत ने मुज़्य सचिव से पूछा है कि 6100 करोड़ खर्च होने के बाद खरकई डैम प्रोजेज़्ट ज़्यों नहीं पूरा किया जा रहा है। इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बाद ज़्या काम बंद रहेगा।

अगर वहां ग्रामीण आंदोलनरत हैं तो उसके लिए आप ज़्या कर रहे हैं। खरकई डैम प्रोजेज़्ट को लेकर अंतिम रूप से सरकार ने ज़्या निर्णय लिया है।

अदालत इन बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी शपथ पत्र के माध्यम से दाखिल करने का निर्देश दिया है।अगली सुनवाई 14 मई को निर्धारित की गई है। मामले में जल संसाधन विभाग की ओर से शपथ पत्र दाखिल किया गया। जिसमें कहा गया है कि जमीन अधिग्रहण पर स्थानीय ग्रामीणों के विरोध के कारण खरकई डैम प्रोजेज़्ट बंद है।पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि छह हजार करोड़ से अधिक की राशि खर्च करने के बाद खरकई डैम प्रोजेज़्ट को वर्ष 2020 में प्रोजेज़्ट को ज़्यों बंद कर दिया गया था। इस संबंध में संतोष कुमार सोनी ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है।याचिका में कहा गया है कि वर्ष 1978 में एकीकृत बिहारए ओडिशा एवं बंगाल सरकार के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता हुआ था।इसी के तहत खरकई डैम का निर्माण किया जा रहा थाए लेकिन वर्ष 2020 में राज्य सरकार ने इस प्रोजेज़्ट को बिना कारण के बंद कर दिया गया। इस डैम के लिए जमीन का अधिग्रहण भी हो चुका है और प्रभावित विस्थापितों को बसाने के लिए नया जगह भी चिह्नित किया गया। ऐसे में इस प्रोजेज़्ट को पूरा किया जाए।

नो व्हीकल जोन का प्रयास बेहतर, बकरी बाजार में अस्थाई पार्किंग से 100 वर्ष पुराना बाजार बचेगा

रांची २१/११ (संवाददाता): अपर बाजार स्थित बकरी बाजार की चार एकड़ जमीन पर नगर निगम का कबाड़ भरा है। बकरी बाजार मैदान में एक ओर कंडम सिटी बसेए टैंकर और अन्य वाहन भरे हैंए तो दूसरी ओर शव जलाने के लिए लाए गए जलावन को डंप कर रखा गया है।

यहां खड़े वाहनों के पार्टस दिन व दिन चोरी हो रहे हैंए लेकिन निगम इसे कबाड़ घोषित कर नहीं बेच रहा है। इस वजह से पूरा मैदान भरा है। इस कबाड़ को बकरी बाजार से हटा दिया जाए तो यहां अस्थाई वाहन पार्किंग की व्यवस्था हो जाएगी। इससे पूरे अपर बाजार क्षेत्र में वाहन लगाने की समस्या दूर हो जाएगी। व्यापारियों के साथ ग्राहकों को भी काफी फायदा होगा।अपर बाजार के व्यापारी भी यही चाहते हैं। गुरुवार को दीनबंधु लेन मर्चेंट एसोसिएशन और चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने लोहिया धर्मशाला में पत्रकारों से बात करते हुए सोनार पट्टी व रंगरेज गली को नो व्हीकल जोन घोषित करने के लिए निगम.प्रशासन व ट्रैफिक पुलिस का आभार जताया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मोर व सचिव राजेश कौशिक ने कहा कि ग्राहकों की सुविधा के लिए वेंडर मार्केट का बेसमेंटए यूनिवर्सिटी के बगल में पेपर मार्केट के सामनेए सेवा सदन हॉस्पिटल के सामने वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है। बकरी बाजार व बाजारटांड़ में भी अस्थायी पार्किंग बन जाएए तो व्यापारियों व ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी।एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मोर ने कहा कि अपर बाजार क्षेत्र के दुकानदारों की सुविधा के लिए वेंडर मार्केट से अपर बाजार तक ई.रिज़्शा का परिचालन होगा। व्यापारी व ग्राहक मार्केट में अपने वाहन पार्क कर ई.रिज़्शा से बाजार आ.जा सकते हैं। कुछ व्यापारियों द्वारा ग्राहकों से पार्किंग शुल्क के रूप में भुगतान किए गए पैसे दिए जाएंगे।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, शनिवार 22 नवंबर 2025 | पृष्ठ-6

ओडिशा को 2036 तक समृद्ध राज्य बनाना प्राथमिकता, मोहन चरण माझी बोले-जमीन पर नजर आने लगे काम

भुवनेश्वर २१/११ (संवाददाता):ओडिशा को महाप्रभु जगन्नाथ ने वह सब कुछ दिया है जो किसी भी विकसित राज्य के लिए जरूरी है। प्रदेश में 480 किलोमीटर लंबा विशालकाय समुद्री तट है। प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा है। कुशल मानव संसाधन के साथ पोर्ट, रेल एवं सड़क मार्ग की बेहतर सुविधा है। धार्मिक दृष्टिकोण से देखें तो देश के चारों धामों में से एक जगन्नाथ धाम यहां है। यह भी महत्वपूर्ण है कि अब प्रदेश में डबल इंजन सरकार है। जिसका लाभ लोगों को मिलना शुरू हो गया है और जमीन पर विकास के काम नजर आने लगे हैं। प्रधानमंत्री के पूर्वोज़र से उदय के सपने को हमारी सरकार ने मिशन के रूप में लेते हुए विकास के कार्यों को गति दी है। यह बातें ओडिशा के मुज्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने दैनिक जागरण से विशेष बातचीत में कहीं। मुज्यमंत्री ने कहा कि ओडिशा 2036 में भाषा आधारित राज्य गठन की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा। हमारा लक्ष्य तब तक ओडिशा को एक समृद्ध राज्य बनाना है।प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ऐसे में हमारा प्रयास है कि भारत के विकसित देश बनाने में ओडिशा का बड़ा योगदान हो। यह तभी संभव है जब ओडिशा हर क्षेत्र में समृद्ध होगा। हमारा प्रयास है कि तब तक ओडिशा उस मुकाम को हासिल कर ले कि हम देश के दूसरे राज्यों को भी प्रगति की राह दिखा सकें। हमारे पास इसके लिए मिनरल रिसोर्स हैं, प्राकृतिक संसाधनों में लौह अयस्क, मैगनीज, बाज़साइट व क्रोमाइट प्रचुर मात्रा में है। आज ओडिशा रेवन्यू में सरप्लस है। हमारी जीडीपी 7.2 प्रतिशत है। मुज्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार का फायदा ना सिर्फ ओडिशा के नागरिकों को मिलने लगा बल्कि निवेश की भी राहें खुलीं।

निवेशकों के लिए ओडिशा अब पहली पसंद बन गया है। देश की नामी-गिरामी कंपनियां ओडिशा में निवेश करने की इच्छा जाहिर कर रहीं हैं। दिल्ली एवं मुंबई में हुए निवेशक सज़्मेलन में ओडिशा सरकार के साथ कई कंपनियों ने समझौते किए। कई कंपनियों के साथ सार्थक वार्ता हुई। उत्कर्ष ओडिशा सज़्मेलन में खुद प्रधानमंत्री ने देश एवं दुनिया भर के निवेशको को मोदी की गारंटी दी है। इसका लाभ भी हमें मिल रहा है। मुज़्यमंत्री ने कहा कि दिसंबर 2025 तक हम अपनी पहली सेमीकंडज़्टर उत्पादन इकाई शुरू करने के लिए तैयार है। आरएंडडी कंपनी के सहयोग से स्थापित यह इकाई इंफो वैली में 2,000 वर्ग फुट की सुविधा पर काम करेगी। हमारा लक्ष्य मेक इन ओडिशा पहल के तहत ओडिशा को आईटी और सेमीकंडज़्टर उद्योगों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। कोरापुट और केंदुझर में डेटा सेंटर स्थापित करने पर काम चल रहा है ताकि आइटी इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। पुरी में भी केबल लैंडिंग स्टेशन बनने की तैयारी है।

एसएमएस-1 द्वारा हीट का अब तक का सबसे लंबे क्रम के साथ नया रिकॉर्ड दर्ज

राउरकेला २१/११ (संवाददाता):राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के स्टील मेल्टिंग शॉप-1 (एसएमएस-1) ने 30 अप्रैल, 2025 को कंटीन्यूअस कास्टिंग मशीन-1ढ्ढ में 31 हीट का अब तक का सबसे लंबा क्रम हासिल करके एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है। यह 1 जुलाई, 2023 को स्थापित 30 हीट के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया । यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर मुज्य महाप्रबंधक (एसएमएस-1), श्री बी सुनील कार्था के सक्रिय मार्गदर्शन में महाप्रबंधक (ऑपरेशन), श्री नीलमणि महापात्र के नेतृत्व में एसएमएस-1 टीम द्वारा प्रदर्शित अनोखे परिचालन प्रभावशीलता का परिणाम था, साथ ही पीपीसी, ज़्लास्ट फर्नेस, क्रेन अनुरक्षण और यातायात और कच्चे माल विभाग सहित प्रमुख विभागों से निर्बाध समन्वय और समर्थन का नतीजा भी था। 1050 मिमी चौड़ी × 210 मिमी मोटी स्टील स्लैब की ढलाई 29 अप्रैल को सुबह 6.50 बजे शुरू हुई और 30 अप्रैल को सुबह 10ः15 बजे समाप्त हुई, जिसमें कुल 27 घंटे और 20 मिनट का समय लगा। इस अवधि के दौरान, 1.25 किलोमीटर की ढलाई की गई, जिससे 2,128 टन उच्च गुणवज़ा वाले स्टील स्लैब का उत्पादन हुआ। 1960 के दशक की शुरुआत में कमीशन किया गया, एसएमएस-1 भारत में एलडी स्टील निर्माण में अग्रणी था। इस इकाई ने लगातार विशेष ग्रेड स्टील के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा रक्षा और अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परियोजनाओं में योगदान दिया है।

ओडिशा हाई कोर्ट का आदेश, जमानत पर छूटने के बाद 2 महीने तक थाना परिसर की सफाई करेगा आरोपी

भुवनेश्वर २१/११ (संवाददाता): उच्च न्यायालय ने ऐसे समय में एक ऐतिहासिक आदेश पारित किया है, जब आरोपी को सुधारने और संस्कार लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उच्च न्यायालय ने जेल में बंद एक आरोपी को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है और थाना परिसर की सफाई और 100 पौधे लगाने जैसी शर्तें रखीं हैं। जमानत पर जेल से रिहा होने के बाद याचिकाकर्ता दो माह तक चंदका थाना परिसर की सफाई का काम करेंगे।

चंदका थाने के आईआईसी आवेदक को थाना परिसर की सफाई का अवसर देकर आवश्यक व्यवस्था करेंगे। उच्च न्यायालय ने कहा कि ताकि याचिकाकर्ता सुबह के समय चंदका पुलिस थाना परिसर में सफाई का काम कर सके। इसके साथ ही आम, नीम, इमली जैसे 100 पौधे आवेदक द्वारा अपने गांव के पास के क्षेत्र में लगाए जाएंगे। आगामी मानसून में आवेदक इन वृक्षों को सरकारी भूमि/सामुदायिक/निजी भूमि पर लगाएगा। यदि भूमि उपलज़्ध नहीं है तो राजस्व अधिकारी पौधे लगाने के लिए आवश्यक भूमि की पहचान करने में सहायता करेंगे। जिला नर्सरी/डीएफओ पौधे उपलज़्ध कराने में सहयोग करेंगे।

आवेदक ने पौधा लगाया है या नहीं इसकी निगरानी संबंधित पुलिस स्टेशन के आईआईसी द्वारा स्थानीय वन विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करके की जाएगी। उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता स्थानीय पुलिस स्टेशन में एक हलफनामा दायर करेगा, ताकि पौधे लगाने के साथ-साथ दो साल तक इन पौधों की देखभाल की जा सके। इसी तरह, आवेदक प्रत्येक सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच स्थानीय पुलिस स्टेशन में उपस्थित होगा। उच्च न्यायालय ने शर्त लगाई है कि वह जमानत पर रहते हुए किसी भी आपराधिक मामले में शामिल नहीं होगा। उच्च न्यायालय के आदेश में कहा गया है कि जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने पर याचिकाकर्ता की जमानत रद कर दी जाएगी। न्यायमूर्ति संजीव कुमार पाणिग्रही की खंडपीठ ने बिट्टू की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया है। मामले के विवरण से पता चला है कि याचिकाकर्ता को एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के संबंध में इंफोसिटी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में गिरज़्तार किया गया था। निचली अदालत द्वारा जमानत खारिज किए जाने के बाद याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

भुवनेश्वर से अबू धाबी के लिए शुरू होगी सीधी विमान सेवा, जल्द होगा तारीखों का एलान

भुवनेश्वर २१/११ (संवाददाता): भुवनेश्वर से अबूधाबी के लिए जून 2025 से सीधी उड़ानें होंगी। इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से फैसला लिया गया है। मुज़्यमंत्री मोहन चरण माझी ने अंतरराष्ट्रीय संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य के लिए एक ऐतिहासिक विमानन पहल करने के लिए गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। मुज़्यमंत्री कार्यालय द्वारा इंटरनेट मीडिया एज़्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में मुज़्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया है। उन्होंने ओडिशा को विश्व मानचित्र पर लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की। मुज़्यमंत्री ने कहा है कि इससे पर्यटन, व्यापार और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। इतना ही नहीं, इससे विकसित ओडिशा के निर्माण के काम को मजबूती मिलेगी। मुज़्यमंत्री कार्यालय ने कहा है कि टेंपल सिटी से ग्लोबल गेटवे, इस ऐतिहासिक विमानन मिशन को मान्यता देने के लिए प्रधानमंत्री जी आपका धन्यवाद। जानकारी के अनुसार इंडिगो विमानन कंपनी सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को उड़ानें संचालित करेगी। दोनों प्रमुख शहरों के बीच उड़ानें शुरू करने की सही तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी। राज्य सरकार ने उज़्मीद जताई कि इस पहल के तहत अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बहाली ओडिशा की कनेज़्टिविटी में सुधार और इसे वैश्विक व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के उभरते केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाएगी।

पूर्व मंत्री नव दास हत्या मामले में नया मोड़, क्राइम ब्रांच ने फिर शुरू की जांच

भुवनेश्वर २१/११ (संवाददाता): ओडिशा के पूर्व मंत्री नव दास की हत्या का मामला अब एक बार फिर चर्चा में है। इस बार मामले के चर्चा में आने का कारण है क्राइम ब्रांच की जांच। क्राइम ब्रांच की टीम ने पूर्व मंत्री दास की पूर्व विधायक बेटी दीपाली दास एवं बेटे विशाल दास को नोटिस जारी किया हैए ज़्योंकि उनकी आपज़ि के बाद ही क्राइम ब्रांच ने एक बार फिर मामले की जांच शुरू की है।ऐसे में मामले में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए पूर्व विधायक दीपाली दास और उनके भाई विशाल को नोटिस जारी किया है। उन्हें मार्च के पहले सप्ताह में किसी दिन अपराध शाखा के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। अगर उन्हें क्राइम ब्रांच की जांच को लेकर कुछ कहना है या कोई आपज़ि है तो वे उस दिन इसकी रिपोर्ट कर सकते हैं। अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ;एडीजीपी विनयतोष मिश्रा ने कहा है कि नव दास की हत्या की जांच जारी है। नए सिरे से जांच दीपाली की पिछली याचिका के बाद शुरू की गई हैए जिन्होंने राज्य सरकार से जांच को केंद्रीय जांच ज़्यूरो को स्थानांतरित करने का आग्रह किया था।इससे पहले दीपाली दास ने राज्य सरकार से इस मामले की गहन जांच के लिए इसे सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया था। मार्च के पहले सप्ताह में क्राइम ब्रांच के सामने हाजिर होकर अपनी आपज़ि दर्ज कराएंगी पूर्व विधायिका। भाजपा के कई नेताओं ने पहले आरोप लगाया था कि तत्कालीन बीजद सरकार ने इस मामले में बड़ी साजिश रची और नव दास की हत्या की गई। अब हत्या के आरोपित गोपाल दास के वकील ने आरोप लगाया है कि क्राइम ब्रांच की जांच में कई खामियां हैं। इसके बाद इस हत्याकांड को लेकर फिर से चर्चा तेज हो गई। भाजपा के कई नेताओं ने अपने मूल आरोपों को दोहराया। इस बीच दीपाली ने राज्य सरकार से सीबीआई जांच कराने को भी कहा। भाजपा नेताओं ने इस मुद्दे को पकड़ लिया है और कह रहे हैं कि अगर दिपाली दास लिखित में आवेदन करती हैं तो सरकार सीबीआइ जांच कराएगी।

रिफ्रेज़्ट्रीज इंजीनियरिंग (सेवा) ने तकनिकी, आर्थिक मानदंडों में नए मानक स्थापित किए, जिससे बड़ी बचत हासिल

राउरकेला २१/११ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के रिफ्रेज़्ट्रीज इंजीनियरिंग (सेवा) विभाग ने विज़ीय वर्ष 2024-25 में शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है, परिचालन दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और तकनीकी नवाचार में कई रिकॉर्ड स्थापित किए हैं, जिससे संयंत्र को काफी बचत हुई है। एक प्रमुख उपलज़्धि के रूप में, कंटीन्यूअस कास्टिंग मशीन-1 (सीसीएम-1) स्टील लैडल ने 88.0 हीट्स का अब तक का सबसे अधिक वार्षिक औसत जीवनचक्र प्राप्त किया, जो विज़ वर्ष 2023-24 में दर्ज किए गए 84.90 हीट्स के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार कर गया। यह सुधार गुणवज़ा वृद्धि, प्रक्रिया अनुकूलन और सावधानीपूर्वक रखरखाव प्रथाओं पर विभाग के निरंतर प्रयास का उदाहरण है। इसी तरह, आरएच-ओबी इकाई ने 143.56 हीट्स पर अपना उच्चतम वार्षिक औसत जीवनचक्र दर्ज किया, जो 142.10 हीट्स के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। लाइनिंग प्रदर्शन में लगातार सुधार ने डाउनटाइम को कम करने और उत्पादकता में सुधार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्ष की सबसे उल्लेखनीय उपलज़्धियों में से एक 6.65 किलोग्राम प्रति टन ज़रूड स्टील (टीसीएस) पर अब तक की सबसे कम विशिष्ट रिफ्रैज़्टरी खपत रही है। यह मील का पत्थर न केवल बेहतर रिफ्रैज़्टरी प्रबंधन को दर्शाता है बल्कि लागत में कमी और टिकाऊ संचालन में एक कदम आगे का संकेत भी देता है। आरएसपी में प्रथम तकनीकी उपयोग के तौर पर विभाग ने इन्सुलेटिंग पंपेबल कास्टेबल का उपयोग करके ज़्लास्ट फर्नेस-5 स्टोव डोम क्षेत्र के सफल ग्राउटिंग किया है । इस अभिनव दृष्टिकोण से शेल तापमान में काफी कमी आई है ढ्ढ टीम भविष्य की सफलताओं का मार्ग सशक्त करते हुए अधिक दक्षता और लागत प्रभावशीलता की दिशा में प्रयासरत है।